आज का विचार

ईश्वर पर उस बच्चे की तरह विश्वास करो, जिसे आप हवा में उछालते हैं, तो वो डरता नहीं बल्कि हंसता है, क्योंकि वो जानता है कि आप उसे गिरने नहीं देंगे।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-225 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

यात्रा से पूर्व ट्रेनों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए एनटीईएस का करें उपयोग

अम्बिकापुर, सोमवार 9 जून , 2025

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 बनी 2025 की सबसे बड़ी ओपनर,

पहला कॉलम

दिल्ली- एनसीआर में वायु गुणवत्ता बिगड़ने पर ग्रैप का पहला चरण लागू, रहेंगी कई पाबंदियां

नई दिल्ली,08 जून (ए)। दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के पहले चरण को लागू कर दिया है. दिल्ली में 7 जून, 2025 को दर्ज किए गए एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 209 (खराब श्रेणी) को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है. मौसम विभाग व भारतीय उष्णदेशीय मौसम संस्थान (आईएमडी/आईआईटीएम) की ओर से आगामी दिनों में भी खराब श्रेणी की हवा की आशंका जताई गई है. सीएक्यूएम की उप-समिति ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा के बाद ग्रैप के 27-बिंदु वाले एक्शन प्लान को तुरंत प्रभाव से लागू किया है, जिससे वायु गुणवत्ता को और ज्यादा बिगड़ने से रोका जा सके. दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार बिगड़ रही है. कई इलाकों में एक्यूआई 'खराब' श्रेणी (201-300) में दर्ज किया गया है. वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने नागरिकों से अपील की है कि वे ग्रैप स्टेज-1 में बताई गई बातों का पालन करें. वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कहा है कि सभी संबंधित एजेंसियों को ग्रैप के तहत तय की गई समयसीमा व दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा. विशेष रूप से धूल नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू किया जाएगा. सीएक्यूएम आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा करता रहेगा.

कुछ अलग

देश में कोरोना वायरस के मामले 6,000 पार, केरल-गुजरात सबसे ज्यादा प्रभावित

नईदिल्ली,08 जून (ए)। देश में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 6,000 को पार कर गई है। बीते दिन 378 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद सक्रिय मामलों की संख्या 6,133 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 1,950 मरीज हैं। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई है। बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से संक्रमित 6 लोगों की मौत हुई है। केरल में 3, कर्नाटक में 2 और तमिलनाडु में एक व्यक्ति की जान गई है। बीते 24 घंटे में दिल्ली में 21, गुजरात में 105, हरियाणा में 15, केरल में 144, महाराष्ट्र में 18, राजस्थान में 24, पश्चिम बंगाल में 71, उत्तर प्रदेश में 11 और पंजाब में 9 नए मरीज मिले हैं। अब आंध्र प्रदेश में 86, दिल्ली में 686, गुजरात में 822, हरियाणा में 102, कर्नाटक में 366, केरल में 1,950, महाराष्ट्र में 595, राजस्थान में 132, पश्चिम बंगाल में 693, 71 और उत्तर प्रदेश में 219 सक्रिय मरीज हो गए हैं। दिल्ली समेत कई राज्यों में फिर से मास्क पहनने और भीड़-भाड़ से बचने की सलाह दी गई है।

खरी-खरी

'वापस लौट जाओ, तुम गाजा नहीं पहुंचोगे', इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग के जहाजी बेड़े को रोकने का दिया आदेश

इजरायल। इजरायल और गाजा के बीच तनाव एक बार फिर सुर्खियों में है। इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) को गाजा जा रही एक नौका मदलीन को रोकने का आदेश दिया है।

दरअसल, इस नौका में कथित जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित १२ यात्री सवार हैं, जो फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन (एफएफसी) के तहत गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाने के लिए निकले हैं। उनके इस कदम को गाजा में इजरायल की नाकेबंदी के विरोध के रूप में देखा जा रहा है।

इस घटना ने वैश्विक स्तर पर विवाद को जन्म दिया है, जिसमें ब्रिटेन की भूमिका और अमेरिकी सीनेटर की टिप्पणी ने भी चर्चा को और गर्म कर दिया है।

इजरायल का कड़ा रुख

इजरायल के विदेश मंत्री काट्ज ने शनिवार को एक बयान में कहा कि मैंने आईडीएफ को निर्देश दिया है कि मदलीन को गाजा न पहुंचने दिया जाए। उन्होंने ग्रेटा थनबर्ग और अन्य कार्यकर्ताओं को च्व्हमास का प्रचारकज्ञ करार दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि वे गाजा नहीं पहुंच पाएंगे।

काट्ज ने इसे इजरायल की संप्रभुता के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि सेना समुद्र, हवा और जमीन पर किसी भी च्आतंकी संगठनोंज्ञ की सहायता को रोकने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। इजरायल ने इस नौका को उकसावे की कार्रवाई व कार्यकर्ताओं को आतंकवाद का समर्थक करार दिया है।

फ्रीडम फ्लोटिला का मिशन

मदलीन नौका सिसिली से रवाना हुई। इसमें ग्रेटा थनबर्ग, ब्राजीलियाई कार्यकर्ता थियागो आविला, यूरोपीय संसद की फ्रांसीसी-फिलिस्तीनी सदस्य रीमा हसन और गेम ऑफ थ्रोन्स अभिनेता लियाम कनिंघम शामिल हैं। यह मिशन गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने और इजरायल की च्अवैध नाकेबंदी और नरसंहारज्ञ का विरोध करने के लिए शुरू किया है। नौका ने रास्ते में सूडानी शरणार्थियों को भी शामिल किया, जिससे इसकी वैश्विक अपील को और बढ़ाया जा सके।

ब्रिटेन की प्रतिक्रिया और राजनयिक तनाव

द टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार ब्रिटेन ने इजरायल के अनुरोध को ठुकराते हुए नौका को इजरायली जलक्षेत्र में प्रवेश से रोकने से इनकार कर दिया है। ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि वे केवल तभी हस्तक्षेप करेंगे, जब नौका या यात्रियों की सुरक्षा को खतरा होगा।

उन्होंने इजरायल से नौका और उसके यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इजरायली अधिकारियों ने इसे च्सेल्फी फ्लोटिलाज्ञ कहकर तंज कसा।

ग्रेटा का अमेरिकी सीनेटर को जवाब

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने ग्रेटा की भागीदारी पर तंज कसते हुए कहा कि उम्मीद है ग्रेटा और उनके दोस्त तैर सकते हैं! ग्रेटा ने डेमोक्रेसी नाउ को दिए साक्षात्कार में इसका जवाब देते हुए कहा कि हम बहुत अच्छी तरह तैर सकते हैं। यह मजाक उनकी प्राथमिकताओं को दर्शाता है, जो नरसंहार और भुखमरी के सामने शर्मनाक है। यह बयान सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया है।

उत्तर भारत में गर्मी ने फिर बरपाया कहर, मौसम विभाग की इन राज्यों के लिए चेतावनी

नईदिल्ली,08 जून (ए)। उत्तर भारत में तापमान बढ़ने के साथ फिर लू चलने लगी है और उमस पसीने छुड़ा रही है। आने वाले 4-5 दिनों तक भीषण गर्मी कहर बरपाएगी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश में तापमान 40 डिग्री के पार जा सकता है।

पूर्वोत्तर और दक्षिण राज्यों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, वहीं छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में आंधड़ के साथ बारिश हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में भी आसमान से आग बरसने लगी है, जिसके चलते तापमान 39 से 41 डिग्री तक पहुंच गया है। प्रदेश में 10 जून के बाद हल्की बारिश की संभावना है, जिससे राहत मिल सकती है।

बिहार में अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम 30 डिग्री तक पहुंचने से लोग भीषण गर्मी का कहर झेल रहे हैं। कुछ पूर्वी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश की फुहारें गिर सकती हैं।

मध्य प्रदेश में भी उमस-गर्मी से लोग बेहाल हैं।

राजस्थान में फिर से गर्मी का दौर लौट आया है। बीते 24 घंटे के दौरान राज्य के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है।

इसके चलते जैसलमेर, बीकानेर में पारा 45 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया है। प्रदेश की राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान में 5 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटे में 1-2 डिग्री की वृद्धि के साथ तापमान 46 डिग्री के पार जा सकता है।

दिल्ली में गर्मी फिर से जोर पकड़ ? लगी है। शनिवार को आया नगर का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री तक पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार (8 जून) को आसमान साफ रहेगा, जिससे गर्मी का अहसास तेज होगा। इस दौरान 20-30 किमी/घंटा की गति से धूल भरी हवा चल सकती है।

सोमवार और मंगलवार को भी तेज हवाएं चलने के आसार हैं, जबकि मंगलवार को तापमान 43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 9-12 जून को मध्यम से भारी बारिश और गरज चमक की संभावना है।

अगले 3-4 दिन में दक्षिण भारत में मानसून फिर से सक्रिय हो सकता है।

रविवार को मुंबई, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। शनिवार को मुंबई में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश भी हुई है।

मध्य प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है।

आप और कांग्रेस ने झुग्गीवासियों को वर्षों तक मूर्ख बनायाः सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 8 जून (ए)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस पर झुग्गीवासियों को वर्षों तक बेवकूफ बनाने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया।

जेजे क्लस्टर, नेहरू कैंप, हैदरपुर में 24 सीटर जन सेवा शिविर (जेएससी) के निर्माण कार्य का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करना सरकार की जिम्मेदारी है और दिल्ली सरकार अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने की राह पर आगे बढ़ रही है।

मीडिया से सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकारों ने झुग्गीवासियों को मूर्ख बनाया था और उनसे कहा था कि वे भाजपा को वोट न दें।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और शीला दीक्षित की सरकार ने झुग्गीवासियों के लिए कोई काम नहीं किया। महज घनराशि की घोषणा की, लेकिन दिल्ली की भाजपा सरकार 700 करोड़ रुपये की लागत से राजधानी में विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है।

दिल्ली में झुग्गियों पर कोर्ट के आदेश के बाद तोड़फोड़ कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी की ओर से सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों पर रेखा गुप्ता ने कहा कि उन्हें मकान देने के बाद ही झुग्गियां हटाई जाएंगी।

बारापुला नाले के पास स्थित मदासी कॉलोनी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि अदालत ने इसे हटाने के लिए कहा है, ताकि नाले की सफाई के लिए मशीनें वहां पहुंच सकें। ऐसा न होने पर दिल्ली को 2023 जैसी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। रेलवे कॉलोनी में हुई कार्रवाई पर उन्होंने कहा, लोगों ने पटरियों के पास घर बना लिए हैं। अगर कोई अप्रिय घटना हुई, अगर पटरियों के नीचे आकर किसी की मौत हो गई, तो कौन जिम्मेदार होगा, आतिशी, अरविंद केजरीवाल या सौरभ भारद्वाज?

झुग्गियों में रहने वाले कुछ लोगों के व्यवहार पर निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं वजीरपुर झुग्गी में 1,675 फ्लैट दिए, लेकिन यदि वहां रहने वाले लोग यह सोचेंगे कि वे फ्लैट ले लेंगे और वहीं (झुग्गियों में) रहना जारी रखेंगे, तो यह नहीं चलेगा।

क्षेत्र में सुविधाओं की कमी के लिए पिछली सरकारों की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि वहां न तो नालियां थीं, न ही बच्चों के लिए खेल के मैदान और महिलाओं के लिए शौच और स्नान के लिए कोई स्थान था।

सीएम गुप्ता ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि झुग्गी-झोपड़ि ?ों में रहने वाली महिलाओं के लिए स्नानघर की सुविधा हो।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार पांच से छह स्नानघर बनाएगी और नालियां बनाएगी ताकि यहां के लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि दिल्ली में देश भर से लोग काम करने के लिए आए हैं और सरकार उनके लिए काम करना जारी रखेगी।

मणिपुर में फिर हिंसाः प्रदर्शनकारियों ने आत्मदाह की कोशिश की, इंटरनेट बंद, कर्फ्यू लगाया गया

इंफाल,08 जून (ए)। कुछ दिनों तक शांत रहे मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। मणिपुर के इम्फाल पश्चिम में शनिवार रात को एक मैतेई नेता की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थक आग-बबूला हो गए। इसके बाद पूरे इलाके में हिंसक प्रदर्शन हुए, प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और आत्मदाह की कोशिश की। स्थिति बिगड़ने पर बिष्णुपुर में कर्फ्यू लगाया गया है और कई जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

शनिवार रात को सुरक्षाबलों ने मैतेई संगठन अरामबाई तेंगगोल के एक नेता को गिरफ्तार किया था। इस नेता का नाम सामने नहीं आया है, लेकिन दावा किया जा रहा है कि ये कानन सिंह है। इस गिरफ्तारी के बाद मैतेई लोग उग्र हो गए और राजधानी इंफाल में कई जगह हिंसक प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों से झड़प भी हुई।

इंफाल पूर्व के खुरई लामलोंग में भीड़ ने एक बस को आग के हवाले कर दिया। प्रशासन ने शनिवार रात से अगले 5 दिनों के लिए घाटी के पांच में वीपीएन सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को निलंबित कर दिया है। इनमें इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल है।

बिष्णुपुर जिले में पूर्ण कर्फ्यू लगाया गया है, जबकि इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थौबल और काकचिंग में 5 या इससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

राजभवन की ओर जाने वाली सड़कों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। लोगों में खबर फैली कि गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाया जा रहा है। इसके बाद तुलिहाल में सैकड़ों लोग इंफाल हवाई अड्डे के गेट के बाहर इकट्ठा हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने हवाई अड्डे की सड़क को अवरुद्ध कर दिया और पूरी रात यहां पहरा देते रहे।

विरोध प्रदर्शनों में 2 पत्रकार और एक अन्य नागरिक के घायल होने की खबर है। अभी तक किसी की मौत की जानकारी नहीं है।

अपने नेता की गिरफ्तारी के विरोध में अरामबाई तेंगगोल ने आज से घाटी के जिलों में 10 दिन के पूर्ण बंद की घोषणा की है।

वहीं, हिंसा के बीच भाजपा के राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे सड़क पर सुरक्षाकर्मियों से कहते रहे हैं, रहमने शांति लाने की बहुत कोशिश की। अगर आप ऐसी बातें करेंगे, तो शांति कैसे कायम होगी? मुझे और मेरे साथ आए विधायक को गिरफ्तार कर लो।

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई, 2023 से हिंसा जारी है। इस हिंसा में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, 1,500 से ज्यादा घायल हुए हैं और हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

हिंसा नहीं रोक पाने के दबाव के चलते 9 फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था।

11 वर्षों में नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 8 जून (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अपने कार्यकाल के 11 साल पूरे कर चुकी है। पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 51 सेकंड के एक वीडियो को पोस्ट कर बताया कि 11 वर्षों में हमारी नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं। पीएम मोदी की ओर से उनके 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई जा रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में इस वीडियो में बताया गया है। उज्ज्वला योजना के तहत लाखों महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले, जिससे उनकी सेहत और जीवनशैली में सुधार हुआ। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान ने लैंगिक समानता और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आसान ऋण प्रदान कर आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान स्वामित्व ने उनकी सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया। इन योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक प्रगति में भी योगदान दिया है।

विदेश जाकर करें फैशन डिजाइनिंग का कोर्स

अगर आपको फैशन डिजाइनर बनने में इंटरेस्ट है और आप विदेश जाकर इसका कोर्स करना चाहती हैं, तो यहां हम आपको ऐसी 4 यूनिवर्सिटी के बारे में बताएंगे जहां से आप फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं।

आज के समय में फैशन डिजाइनिंग कोर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। इस कोर्स को करने के बाद कैंडिडेट न केवल आउटफिट डिजाइनर बनते हैं, बल्कि आप इसके बाद जूते, हैंडबैग, आईवियर, टेक्सटाइल आदि किसी भी चीज के लिए डिजाइनर बन सकते हैं। अगर आपको भी फैशन डिजाइनिंग कोर्स करने और डिजाइनर बनने में दिलचस्पी है और आप इसके लिए फॉरेन जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, तो यहां हम आपके लिए विदेश स्थित कुछ ऐसे विश्वविद्यालय के बारे में बताएंगे, जहां से आप इसकी पढ़ाई कर सकते हैं। तो चलिए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, फैशन डिजाइनिंग के लिए दुनिया के टॉप 5 विश्वविद्यालयों में से एक है। इंग्लैंड के मैनचेस्टर में स्थित इस यूनिवर्सिटी में मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी), इंटरनेशनल फैशन मार्केटिंग, फैशन टेक्नोलॉजी में बैचलर ऑफ साइंस, फैशन मार्केटिंग में बैचलर ऑफ साइंस और फैशन में बैचलर ऑफ साइंस जैसे पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। बात इसकी फीस की करें तो यहां की सालाना फीस करीब 32.62 लाख रुपये है।

हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी

द हांगकांग पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय, फैशन और टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स जैसे कई पाठ्यक्रमों प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 33.9 लाख रुपये है। अगर आप विदेश जाकर पढ़ना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अपना समर्थ भी देखना होगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी

ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी से आप फैशन का कोर्स कर सकते हैं। वे बैचलर ऑफ डिजाइन, फैशन एंड टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स, बैचलर ऑफ क्रिएटिव इंटेलिजेंस एंड इनोवेशन, इंटरनेशनल स्टडीज और बैचलर ऑफ डिजाइन (फैशन एंड टेक्सटाइल्स) जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 12.36 लाख रुपये है।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित कॉर्नेल विश्वविद्यालय भी फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है। यह बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन मैनेजमेंट और बैचलर ऑफ आर्ट्स फैशन डिजाइन नामक दो प्रमुख पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस यूनिवर्सिटी की सालाना फीस करीब 54.43 लाख रुपये है।

इन सस्ते और बेहतरीन कोर्स से बना सकते हैं करियर

आज की तारीख में कर्मचारियों से कुछ एक्स्ट्रा सर्विस को अच्छा लगता है, लेकिन कंपनियों की उम्मीदों पर खरा उतर पाना शायद किसी के लिए आसान नहीं। इंटरव्यू की बात हो या पहले से ही की जा रही नौकरी में प्रमोशन की हर जगह कुछ एक्स्ट्रा की मांग होती है। यही नहीं अब तो घर में बैठे फ्रीलांस करना हो तो भी लोगों से कई तरह से सर्टिफिकेट मांगे जाते हैं। तो क्यों न प्यूपल की प्लानिंग से जाए। अगर आप आगे चलकर कोई कोर्स करने का सोच रही हैं तो हम आपको बताते हैं कुछ बेहतरीन कोर्सेस के बारे में।

कई कोर्स आपको घर बैठे कमाने का मौका भी देंगे। चाहे ऑफिस में कुछ एक्स्ट्रा अपने सीनी में दिखाना हो या फिर घर बैठकर काम करना हो, हर जरूरत के हिसाब से एक कोर्स मिल जाएगा। इन सभी कोर्स के जरिए आप नए ट्रेंड के हिसाब से खुद को अपडेट भी कर सकते हैं।

SEO Course

सर्च इंजन ऑप्टिमेशन यानी SEO कोर्स भले ही सुनने में काफी मुश्किल लगता हो पर ये है नहीं। अगर आप थोड़ा भी डिजिटल वर्ल्ड में एक्टिव है और गूगल, फेसबुक, सोशल मीडिया आदि के बारे में थोड़ी बेहतर समझ रखती हैं तो ये प्रोफेशनल कोर्स न सिर्फ किसी कंपनी में अच्छी नौकरी दिलवा सकता है बल्कि ये कोर्स आपको बेहतरीन फ्रीलांस का मौका भी दे सकता है। इस कोर्स में आपको सिखाया जाएगा कि कैसे अपनी वेबसाइट की विजिबिलिटी बढ़ाई जाए। अगर आप नोएडा, दिल्ली, गुड़गांव, मुंबई, बेंगलुरु जैसे कई अन्य बड़ी जगहों पर रहती हैं तो 3-6 महीने के कोर्स प्रोवाइड करवाती हैं। अगर किसी छोटे शहर में रह रही हैं जैसे लखनऊ, भोपाल आदि तो भी यहां कई इंस्टिट्यूट ऐसे हैं जो ये कोर्स ऑनलाइन भी करवाते हैं। इसमें भी अलग-अलग तरह के कोर्स हो सकते हैं जैसे मोबाइल मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग, कीवर्ड प्लानर आदि सब कुछ। इनमें से कुछ फ्रीलांस और कुछ कंपनियों के लिए बेहतर होते हैं।

फीस – इस कोर्स की फीस जगह के हिसाब से बदल सकती है। ये 7000 रुपए से शुरू होकर 25000 तक जा सकती है।

PPC Course

ये उन लोगों के लिए सबसे बेहतर है जिन्हें फ्रीलांस करना है। इसका मतलब है Pay Per Click, जिसमें सेल्स का काम होता है। सर्च इंजन की मदद से आप पेड एडवर्टाइजिंग का काम करते हैं। इसका सबसे अच्छा फायदा ये है कि रिजल्ट जल्दी मिल जाता है। आजकल लगभग हर बिजनेस इस तरीके का इस्तेमाल कर रहा है। ब्रांड को बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है। इसके लिए PPC कोर्स या गूगल एडवर्ड कोर्स के नाम से आपने लिए बेहतर ऑप्शन चुन सकती हैं आप।

फीस – इसकी फीस 15000 से शुरू हो सकती है। ये इस बात पर निर्भर करती है कि आप कौन से शहर में रहती हैं।

Content Writing Course

फ्रीलांसिंग के लिए सबसे अच्छे कुछ कोर्स में से एक है कंटेंट राइटिंग कोर्स। अगर आपको लिखने का शौक है तो आप अपने पैशन को करियर भी बना सकती हैं। इसमें सिर्फ फ्रीलांसिंग ही नहीं बल्कि फुल टाइम जॉब के भी बहुत विकल्प होते हैं। साथ ही, कई मीडिया हाउस वेबसीरीज भीकाते हैं। यही नहीं अगर इंग्लिश और हिंदी दोनों ही अच्छी है तो आपके लिए कई तरह से गुंजाइश है कि न सिर्फ मीडिया हाउस में बल्कि आप कई कंपनियों में फ्रीलांसिंग के लिए आसानी कर सकती हैं।

फीस – कंटेंट राइटिंग के लिए वीकएंड क्लासेस और वीकडे क्लासेस दोनों वाले कोर्स उपलब्ध है। इसकी फीस भी 8000 रुपए से शुरू हो सकती है।

Makeup Course

मेकअप का मतलब यहां रोजमरी के लिए सज कर जाना या ब्यूटीपार्लर के सेल्फ कोर्स से नहीं है। यहां बात हो रही है प्रोफेशनल मेकअप इंस्टिट्यूट से कोर्स करने की। इसमें ब्राइडल मेकअप, एयरब्रश मेकअप आदि के कोर्स उपलब्ध हैं। कई एप्स जैसे अर्बनक्लैप आदि ऐसे प्रोफेशनल्स को बहुत बेहतरीन मौका देते हैं और महीने का 1.5 लाख तक कमाया जा सकता है। पर शर्त ये है कि ये कोर्स प्रोफेशनल इंस्टिट्यूट से किया गया हो।

फीस – इस कोर्स की फीस आपकी जरूरत के हिसाब से हो सकती है। इसकी कीमत 15000 रुपए से शुरू होती है, लेकिन अगर इंस्टिट्यूट काफी अच्छा है तो ये महंगा भी साबित हो सकता है।

Nail Art Course

ये शॉर्ट टर्म कोर्स है और अगर आपने ब्यूटी इंडस्ट्री में करियर बनाने का सोच लिया है तो फिर नेल आर्ट और नेल एक्सटेंशन कोर्स एक ट्रेंडी विकल्प साबित हो सकता है। ये काफी डिमांड में है और कई सारे ब्यूटी इंस्टिट्यूट प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी देते हैं। इसमें सिर्फ नेल आर्ट ही नहीं बल्कि नाखूनों से जुड़ी बीमारियों आदि की जानकारी भी दी जाएगी।

फीस – इस कोर्स की फीस 3000 रुपए से शुरू हो सकती है।

अपनी जरूरत के हिसाब से आप अपना कोर्स चुन सकते हैं और सबसे अच्छा तरीका ये होगा कि जिस भी इंस्टिट्यूट को चुनें उसके बारे में पूरी जानकारी ले लें। सर्टिफिकेशन कोर्स ही बेहतर होते हैं इसलिए बिना सर्टिफिकेट वाला कोई कोर्स न चुनें।

कम समय में चाहते हैं शानदार करियर ग्रोथ? तो लाइफस्टाइल में शामिल करें ये 4 आदतें

करियर में करना चाहती हैं ग्रोथ? लाख कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ पा रही हैं आगे, तो चलिए हम आपको यहां बताते हैं कि इसके लिए आपको अपनी किन आदतों में बदलाव करना चाहिए।

करियर में आगे बढ़ने के लिए बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कुछ लोग सफल व्यक्ति को देखकर ये सोच लेते हैं कि उनके साथ शायद वह समस्या नहीं रही होगी, जिन परेशानियों से मैं गुजर रही हूं। पर, ये सोच ही गलत है क्योंकि प्रॉब्लम हर जगह होती है। हर किसी को परिश्रम और संघर्ष के दौर से गुजरना ही पड़ता है। सफल लोग के पास भी हफ्ते के 7 दिन और एक दिन में 24 घंटे ही होते हैं। फर्क बस इतना है कि ऐसे लोग अपनी लाइफस्टाइल को लेकर काफी सख्त होते हैं और हर चीज को एक रूटीन के हिसाब से करते हैं। अगर आप भी करियर में ग्रोथ चाहते हैं, तो आपको भी अपनी लाइफस्टाइल में कुछ आदतों को शामिल कर लेना बेहद जरूरी है। इसी के साथ आइए हम आपको यहां 4 आदतों के बारे में बताते हैं, उनमें सुधार लाने के बाद आप काफी आगे बढ़ सकते हैं।

टालमटोल की आदत बदलें

हर काम के लिए एक समय तय करना जरूरी होता है, क्योंकि जिंदगी के हर मोड़ पर सेल्फ डिसिप्लिन होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हर छोटे-बड़े काम को टालते रहेंगे, तो यह भविष्य के लिए बहुत गलत साबित हो सकता है। बेहतर यही होगा कि टालने की आदत को बदलें और आप अपने काम का समय रहते पूरा कर लें।

लक्ष्य बनाकर करें काम

अपने लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म गोलतय करने की आदत डालें। इससे आपको अपनी मंजिल तक पहुंचने में आसानी हो सकती है। ये हैबिट आपके काम के स्पीड और समझ में तेजी ला सकता है। साथ ही, आपका दिमाग भी इससे खुलेगा, जिससे आपको जीवन में आगे बढ़ने के रास्ते खुलते जाएंगे।

दूसरे पर न रहें निर्भर

करियर में सही मुकाम हासिल करने के लिए स्वयं कुछ नियम-कायदे बनाना और उसे पालो करना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी योग्यता के अनुसार, खुद को समझाना होगा और बेहतर करने के लिए निर्णय खुद लेने की आदत डालनी होगी। अगर आप हर चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो आगे का रास्ता मुश्किल हो सकता है।

नई चीजें सीखने की डालें आदत

अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए, आपको लगातार नई चीजें सीखते रहना होगा। अपने क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और विकासों से अपडेट रहें। नए कौशल सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम या कार्यशालाओं में भाग लें। आपकी नोलेज आपकी ग्रोथ में काम आ सकती है।

महिलाएं घर बैठे ही शुरू कर सकती हैं मेहंदी कोन बनाने का बिजनेस

अगर आप कोई लघु उद्योग शुरू करने की सोच रही है तो आप मेहंदी के कोन बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकती है। तो आइए जानें, इस व्यवसाय से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में।

हमारे देश में किसी भी तीज त्योहार या शादी में मेहंदी लगाना जरूरी होता है, क्योंकि मेहंदी को शुभ माना जाता है। हमारे देश में मेहंदी का इस्तेमाल बहुत पुराने समय से होता आ रहा है और यह हमारी संस्कृति की हिस्सा बन चुकी। वैसे, मेहंदी शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द मेंधिका से मानी जाती है। पहले के समय में मेहंदी के पौधे की पत्तियां तोड़कर उसे पीसा जाता था, फिर उसे पोलीथीन के कोन में भरकर हाथों में लगाया जाता था। फिर बाद में मार्केट में मेहंदी पाउडर विक्रय का चलन शुरू हुआ। अब लोग मेहंदी पाउडर लाकर इसे छानकर घोल बनाते थे और फिर इसे पोलीथीन के कोन में भरकर हाथों में मेहंदी लगाई जाती थी। लेकिन फिर मार्केट में बने बनाये कोन मिलने लगे और साथ ही मेहंदी लगाने वाले लोग भी मार्केट में बैठने लगे। ऐसे में अब हर वह महिला जो मेहंदी बेचना चाहती है वह मेहंदी लगा लेती है या लगवा लेती है। अगर आप कोई लघु उद्योग शुरू करने की सोच रही है तो आप मेहंदी के कोन बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकती है।

मेहंदी व्यवसाय में संभावनाएं कितनी है

मेहंदी के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि मेहंदी अभी तक किसी ब्रांड नेम का शिकार नहीं हुआ है। इसलिए मार्केट में उपभोक्ताओं को मेहंदी लेने के लिए किसी ब्रांड नेम की अभी तक जरूरत नहीं पड़ती है, सिर्फ दुकान पर जाकर मेहंदी मांगने पर मेहंदी मिल जाती है। इससे आप समझ सकती है कि किसी एक ब्रांड का वर्चस्व इस क्षेत्र में अभी तक नहीं है। ऐसे में अगर आप मेहंदी व्यवसाय में हाथ आजमाना चाहती है तो आपके सामने चैलेंज कम होंगे। ऐसे में अगर आपकी डिस्ट्रीब्यूटरशिप बेहतर है तो आप ज्यादा से ज्यादा माल दुकानों तक पहुंचा सकती हैं। साथ ही सुखी मेहंदी की सीमित शेल्फ लाइफ यानी इसे पैक होने के काफी समय बाद तक भी इस्तेमाल किया जा सकता है। ये बात भी व्यवसायी के पक्ष में जाती है और बिजनेस के जोखिम को कम करती है।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए क्या चाहिए

मेहंदी व्यवसाय की सबसे अच्छी बात यह है कि मेहंदी व्यवसाय शुरू करने के लिए ज्यादा पैसो या चीजों की जरूरत नहीं पड़ती। मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग के लिए जो सबसे जरूरी है वह है इसका कच्चा माल, यानि मेहंदी के पत्ते। इसके अलावा मेहंदी के साथ मिक्स करने के लिए कुछ अन्य द्रव्य शुगर और पीसी हुई मेहंदी को पैक करने के लिए जरूरी पैकिंग सामग्री इत्यादी।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए जरूरी मशीनरी

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए ज्यादा मशीनरी की जरूरत नहीं पड़ती। मेहंदी व्यवसाय में आपको ग्राइंडर मशीन और मीटर की जरूरत पड़ेगी। साथ ही, मेहंदी से कचरा अलग करने के लिए छलनी, मेहंदी का भार तोलने के लिए वेट मशीन और मेहंदी के पाउच को पैकिंग करने के लिए पाउच सीलिंग मशीन की जरूरत होगी।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट कैसे शुरू करें

मेहंदी पाउडर बनाने की यूनिट लगाना बहुत आसान है। इसकी यूनिट लगाने के लिए बहुत ज्यादा बड़ी जगह की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन आप जिस जगह अपनी यूनिट लगाने जा रहे है वहां अच्छी धूप आना बहुत जरूरी है। साथ ही मेहंदी के पत्ते जिस जगह ग्राइंड किये जा रहे हो वहां धूल और मिट्टी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए, क्योंकि मेहंदी पर धूल और मिट्टी पड़ने से मेहंदी की क्वालिटी खराब हो सकती है।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग का प्रोसेस क्या है

अगर आपको कच्चा माल यानि मेहंदी के पत्ते किसी डीलर से मिल जाते हैं तो आपका मेहंदी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस आसान हो जाएगा। अगर आपके आसपास कोई डीलर नहीं है तो आपको मेहंदी का उत्पादन खुद करना होगा। मेहंदी का उत्पादन करने पर आपको सबसे पहले खेतों से मेहंदी के पत्ते चुनवाने होंगे। मेहंदी के पत्ते तीन प्रकार के होते है- सबसे कम क्वालिटी वाले काले धब्बो वाले पत्ते, कुछ सुनहरी आभा लिए मध्यम क्वालिटी वाले पत्ते और सबसे अच्छी क्वालिटी वाले हरे पत्ते। इन तीनों प्रकार के पत्तों को उनके रंगों के अनुसार अलग-अलग कर लें और इनको अच्छे से सुखा लें। सुख जाने के बाद पत्तो को पीसने के लिए मशीन में डालें। पीसे गए पाउडर को छलनी से छानकर अशुद्धियों को दूर कर लें। इसके बाद मेहंदी का वेट करके पैक करें। अब आप मेहंदी को मार्केट में बेच सकती है, इसे आप दुकानों में सप्लाई भी कर सकती है।

फटाफट खबरें

पसान में सक्रिय लकड़ी तस्कर को किसने छोड़ा

कोरबा : कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत आने वाले ग्राम पसान क्षेत्र के ग्राम कोटमर्रा कंपार्टमेंट नंबर पी-188 में वीनीरीज का प्लांटेशन किया गया है। इस प्लांटेशन में करीब डेढ़ सौ से 200 हरे-भरे वृक्षों की कटाई करने के साथ ही अवैध परिवहन कर ले जाया जा रहा है। आरोप हैं की गैरेला-पेंड्रा-मरवाही के लकड़ी तस्कर इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों के द्वारा लकड़ी की तस्करी में लगे वाहन को पकड़ कर रेंजर को सूचना दी गई जो मौके पर तो पहुंचे, लेकिन उल्ट पर आरोप है कि उन्होंने लकड़ी से भरी वाहन को छोड़ दिया गया। वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए बताया कि ग्रामीणों के विरोध को दरकिनार करते हुए वन विभाग के द्वारा लकड़ी तस्करों को सहयोग दिया जा रहा है। इनके कारण लकड़ी तस्करों का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जंगल में प्रवेश कर इमारती महत्व के हरे-भरे वृक्षों को काटकर तस्करी कर रहे हैं।

मालवाहक वाहन स्वामियों को सख्त चेतावनी

कोरबा कोरबा जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर कोरबा पुलिस ने एक कड़ा संदेश जारी करते हुए मालवाहक वाहनों में यात्रियों के परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इस सिलसिले में थाना बालको परिसर में मालवाहक वाहन मालिकों की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अधिकारियों ने वाहन स्वामियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि वे अपने मालवाहक वाहनों का उपयोग किसी भी परिस्थिति में मानव परिवहन के लिए न करें। इस दौरान वाहन चालकों एवं मालिकों को मोटर व्हीकल एक्ट और यातायात नियमों की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने बीते वर्षों में हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि जागरूकता की कमी और नियमों की अनदेखी के कारण कई जानलेवा हादसे हुए हैं। वाहन मालिकों से अपील की गई कि वे जनहित में नियमों का पालन करें, अन्यथा दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

कोरबा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने छत्तीसगढ़ में व्यापारियों के प्रति सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के व्यापारी भय और दबाव के माहौल में व्यवसाय करने को मजबूर हैं। राज्य में जीएसटी वसूली की प्रक्रिया को लेकर व्यापारी असंतुष्ट हैं और कई शहरों में विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। बैज ने आरोप लगाया कि सरकार केवल राजस्व संग्रहण बढ़ाने के उद्देश्य से छापेमारी, भारी जुर्माना और ब्याज के जरिए व्यापारियों पर अनावश्यक दबाव बना रही है, जिससे व्यापार उगत में अनुकूलता का माहौल है। उन्होंने कहा जीएसटी की इतनी कठोरता पूरे देश में कहीं नहीं देखी गई, जितनी छत्तीसगढ़ में देखी जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार पर उद्योगों की उपेक्षा का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गलत औद्योगिक नीतियों के चलते नए उद्योग नहीं लग रहे हैं और पुराने उद्योग भी बंद हो रहे हैं। उन्होंने बिजली दरों में बार-बार वृद्धि, स्पंज आयरन और राइस मिल जैसे छोटे व मंझोले उद्योगों के बंद होने और इससे उपजे रोजगार संकट व घटती य क्षमता को सरकार की आर्थिक विफलता बताया।

बोधघाट परियोजना को मिली रफ्तार

दिल्ली में पीएम मोदी से सीएम विष्णु देव साय की अहम मुलाकात

रायपुर.

छत्तीसगढ़ की बहुप्रतीक्षित बोधघाट परियोजना एक बार फिर सुर्खियों में है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने हालिया दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर इस परियोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि बोधघाट परियोजना से लगभग 4 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जो राज्य के किसानों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो सकती है। मुख्यमंत्री साय ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रधानमंत्री से केवल बोधघाट ही नहीं, बल्कि रिवर इंटर-लिंकिंग परियोजना को लेकर भी बातचीत हुई है। इस परियोजना से अतिरिक्त 3 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की बदली हुई रिड्डक्शन और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे सुरक्षा सुधारों की भी जानकारी दी। खरोफ सीजन की शुरुआत से पहले ब्रकखाद की कमी पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल राज्य नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न हुई समस्या है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों को वैकल्पिक उर्वरक उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि खेती पर इसका प्रतिकूल असर न पड़े।

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कांग्रेस वर्षों से इसकी बात करती रही, लेकिन इसे लागू करने की हिम्मत नहीं दिखा पाई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ने केवल घोषणा की है, बल्कि जल्द ही जनगणना की प्रक्रिया भी शुरू होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी के पद्मभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के नव नियुक्त अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्री मद्दी को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्य क्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मद्दी सामाजिक रूप से लंबे समय से सक्रि य हैं और उनके पास विभिन्न पदों पर कार्य करने का गहरा अनुभव है। मुझे विश्वास है कि उनका यह अनुभव स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के कार्यों को सुदृढ़ करने में उपयोगी सिद्ध होगा। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार अनेक नवाचारों के माध्यम से शासकीय कार्यों में पारदर्शिता ला रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में शांति स्थापना और विकास के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नक्सल उन्मूलन के साथ-साथ हम बस्तर में आधारभूत संरचना और पर्यटन विकास के कार्यों को गति दे रहे हैं, ताकि स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकें। हमने हाल ही में दुधावरू पशु योजना के माध्यम से आदिवासी परिवार को दो अच्छी नस्ल की गाय प्रदान करने की शुरुआत की है, जिससे प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ेगा और किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात में प्रदेश के विकास को लेकर हुई महत्वपूर्ण चर्चाओं का जि किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से बस्तर में सिंचाई परियोजनाओं और इंद्रावती एवं महानदी को जोड़ने की महत्वाकांक्षी पहल के बारे में सार्थक चर्चा हुई।

पानी के टैंकर का निजी कार्यों में उपयोग होने का लगा आरोप

कोरबा इस भीषण गर्मी में नदी, नाले, कुआं, बोर और हैंडपंप इत्यादि सूखने लगे हैं। पर्यावरण को संतुलित बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है, लेकिन कल-कारखाने, कोयला खदानों के लिए पेड़ पौधे को जिस तरह से काटा जा रहा है भू-जल स्तर की प्रतिवर्ष गिरावट हो रही है। लोगों को पानी की किस्तारी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी अंतर्गत हरदीबाजार क्षेत्र में प्रभावित ग्रामों के ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। हरदीबाजार पंचायत वार्ड क्रमांक 8 के लोगों को पानी की आपूर्ति पंचायत के द्वारा टैंकर से किया जाता है। निरंतर हरदीबाजार के सभी वार्डों में पंचायत के टैंकर से पानी आपूर्ति के लिए पंचायत के सरपंच की जिम्मेदारी होती है, लेकिन आरोप हैं की यहां पानी आपूर्ति लोगों को करने के बजाय टैंकर के पानी का उपयोग निजी कार्यों के लिए किया जा रहा है। कहीं मकान बन रहा है या फिर किसी का छत ढलाई किया जा रहा है। पानी नहीं मिलने के कारण वार्डवासी परेशान हो रहे हैं। वार्ड के लोगों में काफी नाराजगी व आक्रोश व्याप्त है। वार्ड के लोगों का कहना है कि हरदीबाजार पंचायत के सरपंच से पानी की समस्या के समाधान के लिए कहा गया है, लेकिन सरपंच द्वारा जानकारी दी गयी है कि पंचायत स्तर में दो टैंकर पानी आपूर्ति के लिए रखा गया है।

आरएसएस कार्यक्रम में शामिल हुए अरविंद नेताम

संघ के साथ वैचारिक संवाद को बताया सकारात्मक पहल

रायपुर.

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रम में पहली बार भाग लेकर संघ के कार्यों और दृष्टिकोण को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त किया। कार्यक्रम के पश्चात आयोजित प्रेस वार्ता में नेताम ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ हुई चर्चा को खुली और सार्थक करार दिया। नेताम ने कहा कि इस संवाद में विशेष रूप से आदिवासी समाज और संघ के बीच वैचारिक दूरियों को पाटने के उपायों पर मंथन हुआ। उन्होंने संघ प्रमुख को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, यह एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसने मुझे संघ की कार्यशैली और सोच को नजदीक से जानने का मौका दिया। नेताम ने यह भी कहा कि आदिवासी समाज में बढ़ रही विघटन की भावना को दूर करने के लिए ऐसे पहल की जरूरत है, और इस दिशा में संघ से मार्गदर्शन और सहयोग की अपेक्षा की जा रही है। उन्होंने यह बयान भी दिया कि, जब देश की मुख्यधारा की राजनीति से उम्मीद टूटती है, तब संघ ही एक ऐसा मंच बचता है, जो समाज की सहायता कर सकता है। हालांकि नेताम ने यह भी स्पष्ट किया कि वे संघ द्वारा आदिवासियों को वनवासी कहने के पुराने चलन का विरोध करते रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लग रही मरीजों की भीड़

कोरबा कोरबा जिले में तेज धूप, बारिश सहित उत्तम भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है। मौसमी बीमारी से लोग परेशान होने लगे हैं। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ओपीडी में इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 850 से अधिक पहुंच गई है। पंजीयन काउंटर से लेकर अधिकांश चिकित्सकों के कक्ष और दवाई कक्ष के बाहर मरीज व उनके परिजनों की लंबी कतार लगी रही है। इलाज कराने वाले मरीजों में सबसे अधिक सर्दी, खांसी, बुखार, उल्टी, दस्त सहित अन्य मौसमी बीमारी की चपेट में आने वाले मरीज हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरबा सांसद ने नियुक्त किया सांसद प्रतिनिधि

जिला एमसीबी,कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत के द्वारा महिला कांग्रेस कमेटी एमसीबी, जिला के महामंत्री श्रीमती राधा सरकार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगर पंचायत नई लेदरी की सांसद प्रतिनिधि नियुक्त की गई है,श्रीमती राधा सरकार नई लेदरी क्षेत्र के एक सक्रिय और समर्पित कर्मठ व जुझारू कांग्रेसी महिला कार्यकर्ता हैं। जनहित तथा कल्याणकारी से जुड़े हर मुद्दों को वह हमेशा निष्ठापूर्वक कार्य करती हैं और लंबे समय से क्षेत्रीय स्तर पर जनसमस्याओं के समाधान के लिए वह हमेशा तैयार रहती हैं।सभी महिलाओं के दुख सुख में हमेशा उनके साथ उपस्थिति रहती है और उनकी समस्याओं का निराकरण करती है, श्रीमती राधा सरकार के इस नियुक्ति से क्षेत्र में कांग्रेस, पार्टी संगठन को नारी शक्ति द्वारा नई ताकत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है कांग्रेस के जनप्रतिनिधि और कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शिविर का किया गया आयोजन

जिला एमसीबी 6 जून को नागपुर ग्राम पंचायत में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वैकुंठपुर कृषि कॉलेज के सहायक प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ नरेंद्र कुमार मिश्रा के द्वारा आधुनिक खेती के बारे में बताया गया फसलों में लगने वाले कीट रोग की जानकारी दी गई और उनके रासायनिक व जैविक रूप से उपचार बताया गया खेती के नए सिद्धांतों के बारे में भी बताया गया इस शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधि सरपंच ललन सिंह भाजपा महामंत्री अमित राय व किसान सच्चिदानंद यादव अयोध्या प्रसाद तारा देवी जयसवाल कुलदीप राय मनमोहन दास भैया लाल रामकृष्ण कृष्णा राय सुरेंद्र जायसवाल कृष्णा राय विजय केवट देवनारायण बाबूलाल आदि कृषक उपस्थित रहे।

मोहनम बिग बाजार पर 3 लाख का जुर्माना

कोरबा.

कोरबा जिले में मिस ब्रांडिंग का सामान बेचने के आरोप में 3 दुकानदारों पर कार्यवाही खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने की है। जानकारी के अनुसार खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने छापा मारा। जहां जांच के दौरान इन संस्थानों में मिस ब्रांडिंग सहित कई अन्य खामियां पाई गईं। एडीएम कोर्ट ने मोहनम बिग बाजार के तीन संचालकों पर 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इसी कार्यवाही अंतर्गत रेड्स फर्म सुभाष चौक और देवांगन होटल टी.पी. नगर में सब स्टैंडर्ड सामान मिलने पर प्रकरण बनाए गए। एडीएम कोर्ट का मनोज बंजारे ने दोनों प्रतिष्ठानों पर 10-10 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। मोहनम बिग बाजार में विभागीय टीम ने साल 2022-23 में प्रतिष्ठान में छापेमारी की थी। इस मामले में दो अलग-अलग प्रकरण बनाए गए। एक प्रकरण की सुनवाई एडीएम कटघोरा अनुपम तिवारी के कोर्ट में हुई, जिसमें तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग का गठन उपभोक्ताओं के हित में किया गया है। विभागीय टीम नियमित रूप से व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की मॉनिटरिंग करती है। टीम दस्तावेजों की जांच के साथ वस्तुओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजती है। रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर न्यायालय में प्रकरण पेश किया जाता है। इस कार्यवाही से क्षेत्र के मिलावटखोरों और मिस ब्रांडिंग करने वाले व्यवसायियों में हड़कंप मचा हुआ है। कोरबा जिले में मिस ब्रांडिंग का सामान बेचने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही करने के लिए खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत विभागीय टीम ने कई दुकानों में छापेमारी की और सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही की गई है।

एडीएम कोरबा मनोज बंजारे ने बताया कि खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने मिस ब्रांडिंग का सामान बेचने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही करने के लिए विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत विभागीय टीम ने कई दुकानों में छापेमारी की और सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे।

नलों में टुल्लू पंप लगाकर खींचा जा रहा पानी, मुड़ापार क्षेत्र के लोग परेशान

कोरबा कोरबा नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 29 मुड़ापार के निवासी इन दिनों जल संकट से परेशान हैं। यहां अनेक उपभोक्ताओं द्वारा नलों में टुल्लू पंप का अवैध कनेक्शन लगाकर घरों में पानी खींचा जा रहा है जिसके कारण ऐसे लोगों के घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है जहां टुल्लू पंप नहीं लगाए गए हैं और टेपनल के जरिए पानी आपूर्ति की अपेक्षा करते हैं। वार्ड वासियों ने बताया कि यह सिलसिला काफी दिनों से चला आ रहा है। वार्ड वासियों के मुताबिक निगम द्वारा पेयजल आपूर्ति के लिए वार्ड में नलों का जाल बिछाया गया है लेकिन नलों से जल की आपूर्ति नहीं के समान ही रही है। नलों में पानी की धार या तो आती ही नहीं या आती भी है तो धार इतनी पतली होती है कि बड़ी मुश्किल से तीन-चार बाल्टी ही भर पाती हैं। जिसके कारण उनके समक्ष यह दुविधा रहती है कि पानी को पीने के लिए उपयोग में लाया जाए या नहाने-धोने के लिए इसका उपयोग करे। जल संकट से परेशान लोगों ने निगम के अधिकारियों से अपील की है कि क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण कर टुल्लू पंप लगाकर जलापूर्ति बाधित करने वालों पर कठोर से कठोर कार्यवाही करें।

एनटीपीसी अधिकारियों के मुंह पर फेंकी राख

प्रदूषण से परेशान और आक्रोशित हैं ग्रामीण

कोरबा कोरबा जिले में राखड़ की समस्या से जूझ रहे नाराज ग्रामीणों ने अप्रत्याशित घटनाक्रम में एनटीपीसी के अधिकारियों के मुंह पर राखड़ फेंक दी। ग्रामीण थैली में राखड़ भर कर लाए थे और जब उनका गुस्सा फट पड़ा तो उन्होंने अधिकारियों पर राख फेंकी। इस दौरान कटघोरा क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रेमचंद पटेल भी प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है की कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र एनटीपीसी से उत्सर्जित राख का निस्तार प्रबंधन के द्वारा ग्राम धनरास में राखड़ बांध बनाकर किया जा रहा है। संयंत्र की राख को इधर-उधर फेंकने का भी काम चंद ठेकेदारों के द्वारा किया जा रहा है। धनरास राखड़ बांध के आसपास बसे ग्रामीण राख उड़ने की समस्या से बेहद परेशान हैं।

हल्की सी हवा चलने पर राख का गुबार ऐसा उड़ता है कि सारा ग्राम उसमें समा जाता है और ग्रामीणों के खाने-पीने की वस्तुएं भी खराब हो जाती हैं। शादी-विवाह का अवसर हो या कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम, यदि हवा चली तो सारा खाना राख-राख हो जाता है और नुकसान अलग से। कई साल से इस तरह की समस्या बनी हुई है लेकिन हाल ही के कुछ महीनों में इसने गंभीर रूप लेना शुरू कर दिया है। वैसे तो राखड़ प्रभावित ग्रामीणों को प्रति राशन कार्ड के आधार पर मुखिया को 3000 रुपये का राशन भत्ता एनटीपीसी द्वारा दिया जाता है लेकिन इसमें भी चंद लोग अपनी रोटी सेंक कर फर्जी नाम के सहारे राखड़ भत्ता में भी गड़बड़ घोटाला किए हुए हैं। इस तरह की समस्याओं से जूझ रहे ग्रामीण एनटीपीसी प्रबंधन को अनेक बार पत्र व्यवहार करने के साथ-साथ चेतावनी देते हुए समस्या से निजात दिलाने का आग्रह करते आ रहे हैं। अब उन्होंने आंदोलन का रास्ता अख्तियार कर लिया। जानकारी के अनुसार 2 जून से धनरास राखड़ बांध पर प्रदर्शन चल रहा था।

भाजपा नेत्री की दबंगई पर आदिवासी विधायक का फूटा गुस्सा, एसपी को पत्र लिखकर की कार्रवाई की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी - बांकीमोंगरा थाना परिसर में आदिवासी किसान के साथ मारपीट की घटना ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। इस मामले को लेकर रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया ने कोरबा एसपी को पत्र लिखकर भाजपा नेत्री ज्योति महंत पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। विधायक राठिया ने पत्र में आरोप लगाया है कि भाजपा नेत्री ज्योति महंत ने अपने साथियों के साथ मिलकर थाना परिसर में एक आदिवासी किसान के साथ न केवल अभद्र व्यवहार किया, बल्कि मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी। वह पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई और इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा नेताओं को शासन-प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है, जो कानून-व्यवस्था को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं? राठिया ने कहा, हमें स्वयं आदिवासी हूं, मुख्यमंत्री भी आदिवासी हैं, फिर भी थाना परिसर में आदिवासी किसान के साथ बर्बरता बेहद पीड़ादायक है। विधायक ने यह भी याद दिलाया कि पूर्व में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने विधानसभा में कोरबा पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं होती, तो इसे आदिवासी समाज का अपमान माना जाएगा।

ईद-उल-अजहा की धूम, कुर्बानी के साथ मनाया त्यौहार

मस्जिदों में नमाज अदा कर मांगी अमन - चैन की दुआ

कोरबा.

कोरबा जिले में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्यौहार श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर की कई मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह से ही नमाज का सिलसिला शुरू हुआ। मरकजी ईदगाह, जामा मस्जिद, मदीना मस्जिद, मस्जिद गरीब नवाज सहित शहर की सभी प्रमुख मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।मुस्लिम समुदाय ने देश की तरक्की, शांति और भाईचारे के लिए विशेष दुआ मांगी। इस अवसर पर हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल की याद में कुर्बानी की रस्म अदा की गई। धार्मिक गुरुओं ने बताया कि कुर्बानी का यह त्यौहार त्याग और बलिदान की भावना का प्रतीक है। नमाज के बाद लोग कब्रिस्तान भी गए, जहां उन्होंने अपने दिवंगत परिजनों के लिए फातिहा पढ़ी और दुआ मांगी। त्यौहार पर गरीबों और जरूरतमंदों की मदद का विशेष ध्यान रखा गया। सुरक्षा की दृष्टि से हेलीपैड स्थित ईदगाह सहित सभी प्रमुख मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

अजहा की नमाज तय वक्त में अदा की गई। मरकजी ईदगाह, दुरपा रोड, जामा मस्जिद, पीएच रोड, मदीना मस्जिद, रानी रोड, मस्जिद गरीब नवाज, टी.पी. नगर, ईदगाह/मस्जिद आला हजरत, गैरवाघाट, मस्जिद गौसे आजम, मुड़ापार, नूरानी (कॉलियरी) मस्जिद, एसईसीएल, शाही नूरी मस्जिद, बुधवारी, खानकाह-ए चिश्तिया दादर, ईदगाह, ग्राम-रजगामार और मदरसा रूमगरा (दर्री) में तय समय पर नमाज अदा की गई। हेलीपैड स्थित ईदगाह में सुबह से ही लोगों की और नमाज अदा की गई जहां छोटे से लेकर बड़े सभी ने नमाज अदा की परिसर के बाहर पुलिस बल भी तैनात किए गए थे ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना ना हो। वही बुधवारी स्थित नूरी मस्जिद में भी आसपास के काफी मुस्लिम भाई समय पर मस्जिद पहुंचे और नमाज अदा की।

नमाज के बाद पैगंबर हजरत इब्राहिम और पैगंबर हजरत इस्माइल की असीम कुर्बानी को याद करते हुए बकरों की कुर्बानी दी गई। कुर्बानी पर्व बकरीद पैगंबर हजरत इब्राहिम व पैगंबर हजरत इस्माइल की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है।

कोरबा में स्थित इबादतगाहों पर ईद-उल-

ग्रामीण क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान बना आय का साधन

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत बेमेतरा जिले में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की दिशा में अभिनव पहल प्रारंभ की गई है। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री टेकचंद अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के साजा ब्लॉक के ग्राम राखी में स्थापित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट आज न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य कर रही है, बल्कि स्वच्छता दीदी के लिए आय का सशक्त माध्यम भी बन चुकी है। इस यूनिट में ब्लॉक के आसपास के ग्रामों से प्लास्टिक कचरे का संग्रहण किया जा रहा है, जिसे गांवों में कार्यरत स्वच्छता दीदी स्वयं एकत्र कर रही हैं। ये दीदी न केवल अपने गांव को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, बल्कि इस कार्य के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता भी हासिल कर रही हैं।

ग्राम राखी स्थित यूनिट में कार्यरत माँ जय लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की महिलाएं इस एकत्र कचरे की छंटाई करती हैं। इसके बाद यूनिट में स्थापित आधुनिक बेलिंग मशीन के माध्यम से प्लास्टिक कचरे को बंडल कर पुनर्चक्रण कंपनियों को बेचा जाता है। यह प्रक्रिया कचरे के सुरक्षित निपटान के साथ-साथ राजस्व सृजन का भी एक प्रभावी मॉडल बन गई है। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की ग्राम स्तर पर प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की यह व्यवस्था स्वच्छता और सतत विकास दोनों लक्ष्यों की पूर्ति कर रही है। इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित हो रहा है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को एक नई आर्थिक दिशा भी मिल रही है। जिला पंचायत सीईओ श्री टेकचंद अग्रवाल ने बताया कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में इस प्रकार की एक-एक प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट की स्थापना की जा चुकी है। सभी यूनिट्स में प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और यह कार्य लगातार विस्तार की ओर अग्रसर है। स्वच्छता दीदी न केवल गांवों की साफ-सफाई में अहम भूमिका निभा रही हैं, बल्कि अपने श्रम से अतिरिक्त आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सशक्त बना रही हैं। इससे स्वच्छता से स्वावलंबनद की दिशा में जिले ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यह पहल ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता और महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बनकर उभर रही है, जिसे अन्य जिलों में भी स्वेमेतरा मॉडलत के रूप में अपनाया जा सकता है।

देनदारी का बोझ

मगर प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। बताया गया कि परिवार बागेर से लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इनमें से एक बेसुध ने अस्पताल जाते हुए कर्ज की बात बार-बार दोहराई जिसने बाद में दम तोड़ दिया। पूछताछ में देहरादून पुलिस को मिले मृतक के मित्र ने बताया कि मित्तल व्यापार में घाटा हुआ था और उस पर सात-आठ करोड़ का कर्ज था। कर्ज अदायगी न करने के चलते बैंक उसका फ्लैट व कुछ कारें जब्त की चुकी थीं। वह इन दिनों कैब चला कर गुजर कर रहा था।

गाड़ी में मिले सुसाइड नोट के विषय में पुलिस ने विस्तार से नहीं बताया। उधर केरल के वक्कोम में भी एक ही परिवार के चार सदस्यों की खुदकुशी का मामला सामने आया। बताया गया कि कर्ज के चलते माता-पिता व दो जवान बच्चे छत से लटक गए। घर से बरामद डायरी में कर्जदारों का ब्योरा मिला है। इस तरह की आत्महत्या की घटनाओं में तेजी आती जा रही है जिनमें अमूमन कर्ज की मोटी रकम चुकाने में सक्षम न रहने के कारण परिवार का मुखिया अपनी जिंदगी तो लेता ही है परिजनों को बकायेदारों व परिचितों के उलाहनों व जीवनयापन की दिक्कतों से बचाने के लिए यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है। पहले भी लोग सामूहिक आत्महत्याएं करते रहे हैं।

कुछ धार्मिक कारणों से, अंधविश्वास या जादू-टोने के चक्कर में चमत्कारों के भरोसे जीवन लीला खत्म करते थे जबकि कई इज्जत के नाम पर जहरीला पदार्थ खा कर या फंदे पर लटक कर सामूहिक रूप से मर जाते थे। कुछ लोग कर्ज, निजी लोन या अनाप-शनाप ब्याज न चुका पाने के कारण भयभीत होकर मौत को अंतिम शरण मान बैठते हैं। समाज के भौतिकतावादी होने के ये दुष्परिणाम कहे जा सकते हैं।

व्यापार में घाटा, मुनाफे में कमी, धोखाधड़ी या गलत प्लानिंग के चलते करोड़ों की देनदारी का बोझ लोगों को मानसिक रूप से रुग्ण कर देता है। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में तमाम लोग अवसादग्रस्त हैं। असामान्य स्थितियों में वे संभल नहीं पाते। नकारात्मक विचारों के चलते जीवन-लीला समाप्त करने को ही अंतिम परिणति मान बैठते हैं। इस पर सरकारी तंत्र, विशेषकों, समाजविज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरतापूर्वक चिंतन करने की जरूरत है।

हरियाणा के पंचकुला में खड़ी कार में देहरादून के परिवार के सात सदस्य मृत पाए गए जिनमें मित्तल परिवार के दंपति, मां-बाप व तीन बच्चे बताए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस के साथ उत्तराखंड पुलिस व क्राइम ब्रांच जांच में जुट गए हैं।

पाकिस्तान बनने जा रहा है बांग्लादेश?

प्रो. सतीश कुमार

यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि क्या बांग्लादेश पाकिस्तान बनने जा रहा है? भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया है कि हर समस्या के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के ऊपर दोषारोपण न करे। यह तरीका पाकिस्तान का रहा है। पिछले कुछ वर्षों से पुख्ता संकेत हैं कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पुनः एक नई लकीर खींची जा रही है जिसका मकसद भारत का विरोध है। दोनों देशों की इंटेलिजेंस भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में अशांति फैलाने की योजना की तैयारी में हैं।

जब से शेख हसीना को देश छोड़? के लिए विवश किया गया है तब से बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। बांग्लादेश में कट्टरता, अल्पसंख्यकों पर हमले या लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट जैसे संकेत देखे जाते हैं। हाल के वर्षों में हिन्दू, बौद्ध और ईसाई समुदायों पर हमले हुए हैं। यूनुस ने पिछले छह महीनों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दो बार मुलाकात की। एक बार न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान और दूसरी बार काहिरा में डबलपिंग समिट में। दोनों देशों ने सीधे व्यापार को फिर से शुरू किया है और वीजा प्रतिबंधों में ढील दी है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से थंडर फाइटर जेट खरीदने में रुचि दिखाई है, जो पाकिस्तान और चीन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किए गए हैं। यह बांग्लादेश के 'फोर्सेस गोल 2030' कार्यक्रम का हिस्सा है।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में गतिविधियां बढ़ा रही है और भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए आईएसआई या रोहिंग्या आतंकवादियों का उपयोग कर सकती है। चीन, तुर्की, और पाकिस्तान मिल कर बांग्लादेश में 'ग्रेटर बांग्लादेश' की अवधारणा को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत के पूर्वोत्तर में अशांति फैल सकती है। बांग्लादेश की राजनीति पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ी है। सलाहकार राष्ट्रपति प्रो. यूनुस बांग्लादेश को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करने की साजिश रच रहे हैं जहां से कट्टरपंथ की अंधेरी सुरंग शुरू होती है, जिसका कोई अंत नहीं है। पाकिस्तान 75 सालों में इसी सुरंग में फंसा हुआ है जहां से उसका निकलना अब असंभव प्रतीत होता है।

\बांग्लादेश में विद्यार्थी संगठनों को कट्टरपंथी बनाया जा रहा है और सत्ता के गलियारों में उनकी शिरकत के रास्ते बनाए जा रहे हैं। इस बात की ताकीद और कोई नहीं, बल्कि वहां की सेना ने की है। भारत के लिए चिंता का विषय इसलिए भी है कि बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर भारत विरोधी मुहिम की झलक दिखाई दे रही है। दरअसल, यह सब कुछ सुनयोजित रणनीति का हिस्सा है। बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा महज 271 किमी. की है, लेकिन है बहुत महत्त्वपूर्ण, विशेषकर भारत के लिए। मिजोरम की सीमा दोनों देशों से मिलती है। म्यांमार के 3 जिले, जो अशांत हैं, इसी सीमा पर स्थित हैं। बांग्लादेश का कॉक्स बाजार दूसरी तरफ है। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ 5 देशों की सीमाएं मिलती हैं-चीन, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार।

सब कुछ चीन के इशारे पर किए जाने की तैयारी है। आईएसआई की बांग्लादेश में बढ़ती गतिविधियों से भारत की पूर्वोत्तर सीमा पर खतरा बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई बांग्लादेश को आतंकी गतिविधियों के लिए लॉन्चपैड के रूप में उपयोग करने की कोशिश कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह त्रिकोणीय गठबंधन भारत की क्षेत्रीय स्थिति को कमजोर कर सकता है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में चीन द्वारा प्रस्तावित हवाई अड्डा परियोजना भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि यह रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है। म्यांमार में चल रहे गृह युद्ध के दौरान भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के कई विद्रोही समूहों ने म्यांमार में शरण ली है, और वहां की सैन्य जुंटा के साथ समझौते किए हैं। इन समूहों को म्यांमार के उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में ठिकाने बनाने की अनुमति दी गई है, जिससे वे भारत के खिलाफ गतिविधियां चला सकते हैं। बांग्लादेश की स्थापना 1971 में धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, जिसमें बांग्ला भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान का आधार माना गया। हालांकि, हाल के वर्षों में इस्लामी पहचान को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इस परिवर्तन का एक कारण यह भी है कि 1971 के मुक्ति संग्राम को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने वाली पीढ़ी धीरे-धीरे समाप्त हो रही है, जिससे नई पीढ़ी की पहचान में बदलाव आ रहा है।

इस्लामी समूहों और धार्मिक राजनीतिक दलों ने बांग्लादेशी पहचान को इस्लाम पर केंद्रित करने के प्रयास किए हैं, जिससे 'पहले बंगाली या पहले मुस्लिम?' की बहस तेज हुई है। 2024 के जुलाई-अगस्त में हुए छात्र आंदोलनों में धार्मिक पहचान को प्रमुखता दी गई जो पहले के धर्मनिरपेक्ष आंदोलनों से भिन्न था। बांग्लादेश ने हाल के दशकों में आर्थिक प्रगति की है और इसे दक्षिण एशिया का 'नया टाइगर' कहा गया है। इसकी अर्थव्यवस्था भारत के साथ मजबूती से जुड़ी हुई है, और विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान के साथ पूर्ण निकटता बांग्लादेश के आर्थिक हितों के खिलाफ होगी।

बांग्लादेश की बांग्ला संस्कृति और भाषा उसकी पहचान का मूल हिस्सा है, जो इसे पाकिस्तान से अलग करती है। बांग्लादेश 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बना, मुख्य रूप से भाषाई (बांग्ला बनाम उर्दू), सांस्कृतिक और आर्थिक भेदभाव के कारण। शेख मुजीब-उर-रहमान के नेतृत्व में अवामी लीग ने स्वतंत्रता की मांग की और भारत की मदद से बांग्लादेश ने आजादी हासिल की। तब से बांग्लादेश ने अपनी पहचान धर्मनिरपेक्ष, बांग्ला भाषी राष्ट्र के रूप में बनाई जो पाकिस्तान की उर्दू-प्रधान और इस्लामी पहचान से अलग थी। यह मानना जल्दबाजी होगा कि बांग्लादेश पाकिस्तान बन गया है।

बांग्लादेश एकमात्र देश है जो दोहरे उपनिवेशवाद के चंगुल में फंसा रहा। पहले अंग्रेजों की गुलामी और आजादी के बाद पाकिस्तानियों की गुलामी। उनका खास दोहन हुआ, यह बात हर बांग्लादेशी को मालूम है, युवा पीढ़ी को भी यह बात समझनी पड़ेगी। बांग्लादेश दक्षिण एशिया का इकनोमिक टाइगर बना तो भारत से बेहतर संबंध के कारण। पाकिस्तान के रास्ते पर बांग्लादेश मुड़ा तो उसकी भी स्थिति बदहाल बन जाएगी। (लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की डगर पर भारत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 24 मई को नीति आयोग ने बताया कि जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आगामी 2.5 से 3 सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए भी दिखाई दे सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को दुनिया के ख्याति प्राप्त अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने कहा कि जापान को पछाड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की एक अविसनीय उपलब्धि है।

स्तव में भारत के विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में आगे बढ़? के पीछे जो प्रमुख कारण हैं, उनमें 140 करोड़ की जनसंख्या, देश के मध्यम वर्ग, की बढ़ती क्रयशक्ति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत आर्थिक नीतियां शामिल हैं। साथ ही इस समय भारत जिस ऊंची विकास दर और आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है, उससे भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए भी दिखाई देगा। गौरतलब है कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को डगर पर भारत को कई चुनौतियों से मुकाबला करते हुए आगे बढ़? होगा। वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तथा बढ़ते हुए व्यापार घाटे जैसी चुनौतियों से भारत को निपटना होगा।

खासतौर से भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़? जरूरी है। चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करना होगा। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जहां एमएसएमई देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़? के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्त्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। निसंदेह देश को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति अहम होगी। भारत के द्वारा विगत 6 मई को ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़? होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरूआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है और 8 जुलाई से भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता लागू हो सकता है। हाल ही में अमेरिका के विदेशमंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्त्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) की भूमिका भी प्रभावी होगी। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई कार्यनीति को अपनाना होगा। इस संदर्भ में केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है।

हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की और से जारी इंडिया जीसीसी, लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 2030 तक 8.4 लाख करोड़ रु पये का होगा। निसंदेह मई 2024 में दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिकी बने भारत को आगामी ढाई से तीन साल में तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के मद्देनजर सरकार के द्वारा अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना होगा।

पशु पक्षी, वनस्पति,जल,जीव, मानव सामयता के लिए बनो का संरक्षण आवश्यक है

दरावाद की एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में बड़े जंगलों से संरक्षित भूमि का व्यावसायिक हितों पेड़ो का काटना शुरू हुआ तो केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्वविवेक से आंदोलन शुरू कर दिया। मामला सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर पहुंचा तो सर्वोच्च न्यायालय ने पहले रोक लगाई फिर स्थाई रूप से पेड़ों की कटाई को अवैध ठहरा दिया। बाजोल में पूरे देश में पेड़ो की कटाई पर नियमित रोक है इसी प्रकार यूरोपीय देशों ने भी प्रतिबंध लगा रखे हैं लेकिन भारत में बनो के संरक्षण अधिनियम लचीला है क्योंकि हम बढ़ती जनसंख्या के दबाव में सड़क परियोजना, बांध निर्माण, संस्थाओं की इमारतों, बढ़ते कंक्रीट के जंगलों , निजी आवासीय योजनाओं को बनने से रोक नहीं पा रहे हैं। हालांकि भारत में तीव्र विकास को अभी 35 साल ही हुए हैं। फिर भी भारत में 835000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर बन आच्छादित है यह अकड़ा कुल भारत भूमि 3287235 वर्ग किलोमीटर का 25 फीसदी से अधिक है विश्व में रूस में सर्वाधिक 800 मिलियन वर्ग किलोमीटर भूमि में बन है जो उसकी कुल भूमि का 52 फीसदी है। भारत में दो तरह के बन है आरक्षित और संरक्षित। संरक्षित बनो में निर्माण के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से स्वीकृति लेनी पड़ती है। आरक्षित बनो के मामले में राज्य सरकार सक्षम है। बताया जाता है कि भारत सरकार के आंकड़े कहते हैं कि बन 0.70 प्रतिशत की गति से बढ़ रहे हैं। सरकार और एनजीओ ने मिलकर सामाजिक बागनी, डीप फोरेस्टेशन आदि कार्यक्रम बन बढ़ाने के लिए चला रखे हैं लेकिन अवैध बन माफिया कटाई भी खूब कर रहा है।

आज अंतराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस है। पर्यावरण संगठन ने विभिन्न स्तरों पर पेड़ लगाने का काम सरकार से मिलकर किया है। पर्यावरण विशेषज्ञ का मत है कि अगर मानव साम्यता ने बनो की अनदेखी की तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का जल स्तर कम होता जायेगा और नदियों में पानी नहीं रहेगा भारत में कुछ नदियों को छोड़कर अधिकतर नदियों में बरसात को छोड़कर जल सूख जाता है गंगा, जमुना,महानदी, गोमती, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, नर्मदा, सिंध, रावी, व्यास, सतलुज,आदि नदियों के किनारे ही मानव साम्यता का जन्म हुआ था।

इन नदियों के डेल्टा में सुंदर बन,जैसे विशाल जंगल श्रृंखलाओं का जन्म हुआ था। पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ स्टैन का मानना है कि जंगल नहीं रोंगे तो जल,जीव, मानव, पशु पक्षी, वनस्पति का विकास नहीं होगा । उन्होंने कहा है कि पृथ्वी के आवरण से ओजोन परत को पृथ्वी के बढ़ते ताप क्रम से नुकसान हुआ है और ग्लेशियरों का पिघलना जारी है यह भी जनसंख्या दबाव के कारण है इस मामले में यूरोपीय देशों में जनसंख्या दबाव कम है।

0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1348

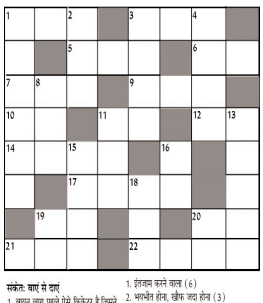

संकेत: बाएं से ढाएं
1. ब्राजल लता पहले ऐसे क्रिकेटर है जिसने टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा 400 रन बनाए, वह स्वयं इस देश के खिलाफ बनाए थे (3)
3. 14 वीं-15 वीं शताब्दी के प्रसिद्ध सूफी संत जिन्हें नीलमणि नामक चुलहे देवीं ने पाल था (3)
5. काल समूह, सप पाप करने वाला (3)
6. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
7. जागृत होना, नींद से उठना (3)
9. जीवन, जिंदगी (3)
10. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)
11. ब्रह्म, विद्या, आगे की ओर (2)
12. छोटा, निःसार, तीन प्रकार के प्रणायामों में से एक (2)
14. बापुमन में चक्कर के फैलने की सीट (4)
17. अपने अधिकारों का दुरुपयोग करने वाला, स्वेच्छाचारी (4)
19. एक बार मांस लेने का समय, कल (2)
20. यह नागपत्नी का पुराना नाम है (2)
21. जिसके कोई घटन अपनी आंखों से देखी हो, साक्ष (3)
22. अति चूकने का रंग (4)
ऊपर से नीचे
1. हंतालन करने वाला (6)
2. भागीदार होना, खीफ जरा होना (3)
3. क से ह तक की वर्णमाला (4)
4. पुराणानुसार सात लोकों में से छठे लोक का नाम जहां की भूमि पथरीली है (4)
8. खुशबू, सुगंध, महक (3)
13. बिहार के इस शहर का पुराना नाम पाटलिपुत्र था (3)
15. जिसमें हब्य या घनी मे घुलने वाला (5)
16. पिता का पिता, दादा, बाबा (4)
18. अनुराग, प्रेम, तालसा, इच्छा (2)
18. संध्या है कि, कदापित (3)
19. औषधि, उच्चार (2)
20. कौआ पक्षी, काग (2)

वर्ग पहेली 1347 का हल

ल	हो	र		ब	र	ग	द
म	ज	ग		ह	ग	रा	
ब		ना	म	क		रा	पी
दी	न		स	ना	थ		प
	म	ह	त		प	ह	ल
ता	ळ		ना	प	क		
	ख्या	ब		ल	न	ध	ना
श	र	द्ध		त		द	त

पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन

आईआईटी-दिल्ली ने छात्रों पर बोझ कम करने और उद्योग जगत की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए बारह वर्षों के बाद अपने पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किया है। संस्थान के निदेशक रंगन बनर्जी ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में कहा था, 'पाठ्यक्रम में पिछली बार संशोधन 2013 में किया गया था। इस बीच, उद्योग जगत की मांग तेजी से बदल रही है..एआई एक नया उभार है, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस सुधार की कवायद 2022 में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में संस्थान ने हितधारकों से व्यापक प्रतिक्रिया ली है, और उनकी मांग और जरूरत के अनुसार जरूरी बन पड़े बदलाव पाठ्यक्रम में किए हैं।

पाठ्यक्रम को ही कम नहीं किया गया है, बल्कि कक्षा का आकार कम करने का फैसला भी किया गया है। पहले दो सेमेस्टर के लिए कक्षा का आकार अब 200 की बजाय 150 होगा ताकि छात्र पर अधिक ध्यान सुनिश्चित किया जा सके। कहा जा सकता है कि आईआईटी का पाठ्यक्रम संबंधी फैसला दूरगामी परिणाम हासिल करने की दृष्टि से किया गया है। देश में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

इससे पूर्व नई शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है और अब देश के एक प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान का यह फैसला क्रांतिकारी पर्वतिन की दिशा में उठाया गया कदम करार दिया जा सकता है। वैसे भी एआई और प्रोग्रामिंग जैसे पाठ्यक्रमों का शिक्षण-प्रशिक्षण जरूरी बन गया है। जरूरी है कि जटिलताएं शिक्षण-प्रशिक्षण में खासी अवरोध खड़े करती हैं।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक- चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज का दिन लाभ देने वाला है। इस राशि के लोगों को आज धन लाभ होगा जिससे परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। इस राशि वाली महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है। उन्हें अपने नहिलाल या मायके की तरफ से खुशखबरी मिल सकते हैं।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कार्य स्थल की व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। टूर एंड ट्रेवल्स तथा मीडिया संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा। आज कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। व्यापार बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करेंगे।

कर्क राशि- लेखकों के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज इन्हें अपने लेखन शैली से जीवन में सफलता मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने परिवार के किसी सदस्य से नये वस्त्रों की प्राप्ति हो सकती है।

सिंह राशि- दिन आज व्यस्तता के साथ गुजरेगा फिर भी आपको यह सोचकर अच्छा लगेगा कि आज आपने पूरी ईमानदारी के साथ काम किया है। इसके साथ ही आप घर वापस आकर अगले दिन के लिए टारगेट सेट करेंगे

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। यदि किसी कारण से कुछ खोने का डर है तो आप चिंतित हो जाएं,

तुला राशि- आज आपका दिन रोज से अच्छा रहेगा। आप अपने कामकाजी जीवन से थोड़ा ब्रेक लेकर जीवनसाथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे। यह आपके अपने रिश्ते को संजोए रखने के लिए आवश्यक कदम होगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज आपको कोई नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है,

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज दोस्तों और संबंधियों से पुरी मदद मिलेगी। खास काम के सिलसिले में बातचीत भी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा।

मकर राशि- आज दिन की शुरूआत अच्छी होगी। इससे परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। छात्रों को आज कोई शुभ सूचना मिलने वाला है। करियर में बदलाव आयेगा। पुराने समय को भूलकर आगे बढ़ेंगे तो सफल हो जाएंगे। आपकी सोच में बदलाव आयेगा,

कुम्भ राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत सामान्य रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक तथा व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी।

मीन राशि- आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज बच्चों का परिणाम देखकर मन में तसल्ली रहेगी। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे।

सुअर पालन लाभ का व्यवसाय

सूअर पालन किन्हें करना चाहिए?

- छोटे एवं भूमिहीन किसान, आंशिक कार्य के तौर पर शिक्षित बेरोजगार लोगों के लिए आय का अच्छा साधन है।
- आशिक्षित महिलाओं एवं युवाओं के लिए सुअर पालन अच्छा व्यवसाय है।

प्रजातियां– वृहद श्वेत यार्कशायर, लेण्डरेस, मध्य श्वेत यार्कशायर–

प्रजनन के लिए सन्तति का चयन

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए–

- सुअर में बच्चे पैदा करने की ताकत, जैव शक्ति एवं दूध उत्पादन की क्षमता होनी चाहिए।
- प्रत्येक किसान को सुअर का समूह पालने के पूर्व जांच करें कि सुअर विश्वसनीय और रोगमुक्त हो। इस प्रकार की जानकारी ले लेना चाहिए। एक बार सुअरों का समूह स्थापित होने के बाद, गाया एवं पर सुअरों का प्रतिस्थापन, रांकरण करें।
- जब मादा सुअर को प्रजनन समूह में रखना हो तब उसका वजन करीब 90 किलोग्राम हो।
- वयस्क मादा सुअरों का चयन करते समय देखें कि उनकी माँ अधिकांश बच्चे बचाने वाली हो।
- बाजार की मांग के अनुरूप हो, कम से कम समय में अधिक वजन प्राप्त हो।
- यह याद रखना है कि मादा सुअर से मीटिंग करे और प्रतिदिन उनका वजन बढ़ें। साथ ही दाना मांस में परिवर्तित करने की क्षमता हो।

खाद्य आहार प्रबंधन

- सबसे सस्ते खाद्य आहार घटकों का इस्तेमाल हो।
- मक्का, ज्वार, बाजरा, गेंहू , चावल आदि का प्रयोग हो।
- प्रोटीन घटकों में आयल केक, गछली का चूना खली हो।
- सुअर सदि बाहर घास चरते हैं तो उन्हें कोई भी विटामिन घटक देने की जरुरत नहीं है, यदि उन्हें पशु प्रोटीन नहीं देते हैं, तब विटामिन बी 12 का घटक दें।
- प्रति किलो राशन में 11 मिलीग्राम एंटीबायोटिक का मिश्रण दें।
- खनिज मिश्रण का पर्याप्त मिलान हो सभी प्रकार के दानों का मिश्रण पिसा हुआ हो गीला दाना नहीं पिसाना चाहिए, सूखा दाना पिसाई करना चाहिए। गीली पिसाई में अधिक समय व श्रम लगता है। यदि दाने भी फाइबर अधिक है, तो पेलेटेड दाना बनाना चाहिए। पेलेटेड खाने से आहार की बर्बादी रुक जाती है।

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए–

- सुअर के लीटर की ताकत एवं जैव शक्ति, दूध उत्पादन की क्षमता।
- लाभ, दाना परिवर्तित करने की क्षमता।

ज्वार उत्पादन की उन्नत तकनीक

भूमि व भूमि की तैयारी

ज्वार के लिये ऐसे खेत का चुनाव करें जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो, जहां पर पानी रुकता हो वहां पर ज्वार की बुवाई न करें। ज्वार की खेती के पूर्व, खेत की 3–4 बार जुताई कर खेत की तैयारी करें।

बीज दर व बुवाई का समय

ज्वार की बुवाई मानसून सक्रिय होने के बाद तुरंत कर दें, अन्यथा तना छेदक कीट व प्रकोप अधिक होता है। ज्वार की बुवाई का उपयुक्त समय जून अंत से मध्य जुलाई तक का है। बुवाई के लिये 12–15 किग्रा प्रमाणित बीज/हैक्टेयर की दर से लें, कतार से कतार की दूरी 45 से.मी. व पौधे से पौधे की दूरी 12–15 से.मी. रखें, ध्यान रखें बीज 2–3 से.मी. से अधिक गहरा न जाये। इस तरह से बुवाई करने पर 1,50,000 से 1,75,000 लाख पौधे प्रति हैक्टेयर रखे जा सकते हैं।

उन्नत किस्में

1. कम्पोजिट किस्में– जवाहर ज्वार–741, जवाहर ज्वार–938, जवाहर ज्वार–1041, एस.पी.वी.–1022, एसएसवी–15.
2. संकर किस्में– सी.एस.एच.–5, सी.एस.एच.–6 सी.एस.एच.–9, सी.एस.एच.–18, सी.एस.एच.–16.

भूमि उपचार

भूमिगत कीड़ों व दीमक की रोकथाम के लिये क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किग्रा/हैक्टेयर की दर से बुवाई से पूर्व खेत में मिला दें।

बीज उपचार

ज्वार के बीज को बुवाई पूर्व 2.5 ग्राम थायरम या मैंकोजेब प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। उसके पश्चात बीज को ऐजेटोबैक्टर तथा पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित करें। एजेटोबैक्टर कल्चर से उपचारित करने पर 20 किग्रा नत्रजन की प्रति हैक्टेयर बचत की जा सकती है।

अन्तरवर्तीय फसल

ज्वार के साथ दलहनी फसलों की अन्तरवर्तीय फसलें जहां भी संभव हो लें। ज्वार की कम ऊंचाई व शीघ्र पकने वाली किस्मों के साथ–साथ दलहनी फसलें जैसे अरहर, मूंग, सोयाबीन की अन्तरवर्तीय फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

खाद व उर्वरक

ज्वार के अच्छे उत्पादन हेतु सिंचित अवस्था में 80 किग्रा नत्रजन: 40 किग्रा स्फुर: 20 किग्रा पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग करें व असिंचित अवस्था में 40 किग्रा नत्रजन, 20 किग्रा स्फुर व 20 किग्रा पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

निंदाई - गुड़ाई

बाजरे के अच्छे उत्पादन में निंदाई व गुड़ाई का विशेष महत्व है यह कार्य बुवाई से 20–25 दिन बाद करने से वायु का संचार अच्छा होता है व पौधों पर मिट्टी चढ़ जाती है व नमी लम्बे समय तक बनी रहती है, यदि लगातार बरसात हो रही है तो रसायनिक खरपतवारनाशक एट्राजीन की 0.5 किग्रा (सक्रिय तत्व) का 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

उपज

सामान्यत: ज्वार की उन्नत किस्मों व उन्नत विधियों से खेती करने पर औसतन 30–45 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक दाने की उपज मिल जाती है। ज्वार की कड़वी से औसत सूखा चारा 80–100 क्विंटल/हैक्टेयर उपज प्राप्त होती है।

लघुधान्य फसलों की उत्पादन तकनीक

भूमि की तैयारी

ये फसलें प्राय: हर प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती हैं। जहां कोई अन्य धान्य फसल उगाना संभव नहीं होता, वहां भी ये फसलें सफलतापूर्वक उगाई जा सकती हैं। उतार–चढ़ाव वाली, कम जलधारण क्षमता वाली, उथली सतह वाली आदि कमजोर किस्म की भूमि में यह फसलें अधिकतर उगाई जा रही हैं। हल्की भूमि में, जिसमें पानी का निकास अच्छा हो, इनकी खेती के लिए उपयुक्त होती हैं।

बीज का चुनाव एवं मात्रा

भूमि की किस्म के अनुसार उन्नत किस्म के बीज का चुनाव करें। हल्की पथरीली व कम उपजाऊ भूमि में जल्दी पकने वाली जातियों का तथा मध्यम गहरी व दोमट भूमि में एवं अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में देर से पकने वाली जातियों की बोनी करें। लघु धान्य फसलों की कतारों में बुवाई के लिए 8–10 किलोग्राम बीज तथा छिटकवां बोनी के लिए 12–15 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।

बोने का समय, बीजोपचार एवं बोने का तरीका

वर्षा आरंभ होने के तुरंत बाद लघु धान्य फसलों की बोनी कर दें। शीघ्र बोनी करने से उपज अच्छी प्राप्त होती है। कोदों में सूखी बोनी गानसूनी वर्षा आने के दस दिन पूर्व करने पर उपज में अन्य विधियों से अधिक उपज प्राप्त होती है। बोनी के पूर्व बीज को गेंकोजेब या थायरम दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार करें। ऐसा करने से बीज जनित रोगों एवं कुछ हद तक मिट्टी जनित रोगों से फसल की सुरक्षा होती है। कतारों में बोनी करने पर कतार से कतार की दूरी 20–25 सेमी तथा पौधों से पौधों की दूरी 7 सेमी उपयुक्त पाई गई है। इसकी बोनी 2–3 सेमी गहराई पर करें। प्रयोगों द्वारा पाया गया है कि कोदों में 6–8 लाख एवं कुटकी में 8–9 लाख पौधे प्रति हेक्टेयर अधिकाधिक उत्पादन वृद्धि हेतु आवश्यक होता है।

निंदाई गुड़ाई

बुवाई के 20–30 दिन के अंदर एक बार हाथ से निंदाई करें तथा जहां पौधे न उगे हो वहां पर अधिक घने उगे पौधों को उखाड़कर रोपाई करके पौधों की संख्या उपयुक्त करें। यह कार्य 20–25 दिनों के अंदर कर ही लें। यह कार्य पानी गिरते समय सर्वोत्तम होता है।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

प्राय: किसान इन लघु धान्य फसलों में उर्वरक का उपयोग नहीं करते हैं। किन्तु कुटकी, कंगनी, सांया के लिए 40 किलो यूरिया, 125 किलो स्फुर/ हेक्टेयर तथा कोदो एवं रागी के लिए 87 किलो यूरिया व 125 किलो स्फुर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करने से उपज में वृद्धि होती है। उपरोक्त नत्रजन की आधी मात्रा व स्फुर की पूरी मात्रा बुवाई के समय एवं नत्रजन की शेष आधी मात्रा बुवाई के तीन से पांच सप्ताह के अंदर निंदाई के बाद दें।

उन्नत जातियां

(अ) कोदों – जवाहर कोदों 48 (डिण्डौरी–48), जवाहर कोदों – 439, जवाहर कोदों – 41, जवाहर कोदों – 62, जवाहर कोदों – 76, जीपीधूके – 3

(ब) कुटकी – जवाहर कुटकी – 1(डिण्डौरी–1), जवाहर कुटकी–8, सीओ– 2, पीआरसी – 3

(स) रागी – एचआर–374, आरएयू–8, जेएनआर–2, जेएनआर–852, जेएनआर–1008

(द) कंगनी – अर्जुना, – एसआईए–326

(ई) सांवा – एमएल–29, के–1

(फ) चीना – जीपीयू–17, के–1

फसल की कटाई-गहाई एवं भण्डारण

फसल पकने पर कोदों व कुटकी को जमीन की सतह के ऊपर कटाई करें। खलिहान में रखकर सुखाकर बैलों से गहाई करें। उड़ावनी करके दाना अलग करें। रागी सांया एवं कंगनी को खलिहान में सुखाकर तथा इसके बाद लकड़ी से पीटकर अथवा पैरों से गहाई करें। दानों को धूप में सुखाकर भण्डारण करें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा पर्यावरण दिवस मनाया गया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा 5 जून 2025 को पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत डब्ल्यू आर एस रेलवे कॉलोनी में स्थित सेक्रो द्वारा संचालित टाइनी टॉट स्कूल में अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती शिखा सिंह की उपस्थिती में उपाध्यक्षा श्रीमती अदिति अग्रवाल, सचिव श्रीमती रश्मि गुप्ता, सह सचिव श्रीमती अमृता शाह एवं सेक्रो सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

ज्ञात हो कि प्रत्येक वर्ष पर्यावरण दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा पर्यावरण दिवस को प्राथमिकता देते हुए रेलवे कॉलोनियों में पौधरोपण कर इनकी देख रेख की जाती है, साथ ही कालोनीवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता है।

मनेंद्रगढ़ में प्रशासन ने की अवैध अतिक्रमण हटाने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

50 वर्षों से भी अधिक समय से काबिज दुकानदारों के सामने अब रोजी-रोटी की समस्या

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेंद्रगढ़ के इतिहास में प्रशासन के द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने की सबसे बड़ी कार्रवाई रविवार को की गई। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अतिक्रमण हटाने के लिए 5 की संख्या में जहां जेसीबी लगाए गए थे वहीं किसी प्रकार की कोई अप्रिय स्थिति निर्मित न हो इसके लिए जिले के 5 थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ राजस्व, नपा अमला और कोटवारों को भी तैनात किया गया था। 4 घंटे से भी अधिक समय तक चली कार्रवाई के दौरान मनेंद्रगढ़ और जनकपुर के एसडीएम मौके पर उपस्थित रहकर पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए थे।

जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में भूपेंद्र क्लब के नाम से दर्ज 30 हजार वर्गफीट जमीन में से आधी जमीन पर करीब 24 दुकानों का निर्माण कर अनाधिकृत रूप से बेजा कब्जा किया गया था, जिसे हटाए जाने की दिशा में पिछले कुछ दिनों से प्रशासन सक्रिय था। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने जिले के 5 थाना क्षेत्रों पोंड़ी, चिरमिरी, खड़गवां, मनेंद्रगढ़ और झगराखंड से पर्याप्त पुलिस बल मौके पर तैनात करने एवं सारी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद रविवार की सुबह 11 बजे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। सर्वप्रथम सभी अतिक्रमणकारियों की बिजली काटी गई इसके बाद बस स्टैंड और मार्केट की ओर जाने वाले मार्ग को बेरीकेट्स लगाकर बंद किया गया। अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करने के लिए 5 की संख्या में जेसीबी लगाए गए। 11 बजे से शुरू होकर दोपहर बाद करीब साढ़े 3 बजे तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चलती रही। इस बीच मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही। 50 वर्षों से भी अधिक समय से काबिज लाचार और बेबस अतिक्रमणकारी अपनी आंखों के सामने जहां वे अपनी दो वक्त की रोटी कमाते थे, उसे जमींदोज होते देखते रहे। कार्रवाई के दौरान एसडीएम लिंगराज सिदार मनेंद्रगढ़, शशिशेखर मिश्रा भरतपुर, एसडीओपी मनेंद्रगढ़ एलेक्स टोप्पो, तहसीलदार मनेंद्रगढ़ श्रुति ध्रुवे, समीर शर्मा नागपुर, नीरजकांत तिवारी जनकपुर आदि मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश पर हटाया गया अवैध अतिक्रमण - एसडीएम

अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मौके पर उपस्थित मनेंद्रगढ़ एसडीएम लिंगराज सिदार ने कहा कि मनेंद्रगढ़ व्यापारिक शहर होने के साथ एमसीबी जिले का जिला मुख्यालय है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र क्लब शासकीय जमीन पर विगत कुछ वर्षों से लोगों का अवैध कब्जा रहा है, जिसे विधिवत न्यायालय के आदेश पर खाली कराया गया है। एसडीएम ने बताया कि 24 दुकानें थीं जिनमें से 1 दुकान को उच्च न्यायालय से स्थगन प्राप्त है, उसे छोड़कर शेष दुकानों में स्थगन नहीं होने की वजह से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है।

लोकगायक मस्तुरिया की जयंती पर कलाकरों ने दी लोकगीतों की प्रस्तुति

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ की लोकधारा के महान सपूत, जनकवि, गीतकार, संगीतकार एवं गायक स्व. लक्ष्मण मस्तुरिया की 76वीं जयंती का आयोजन ग्राम पंचायत बंजी में जोगनी लोक कला मंच के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोक कलाकारों और ग्रामीणों ने हिस्सा लेकर उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और लक्ष्मण मस्तुरिया के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद लोक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक लोकगीतों की प्रस्तुति दी, जिनमें उनकी कालजयी रचनाएं मोर संग चलव रे मैं बंदत हौं दिन रात, मोर छईहा भुईया जय होवय तोर, पुन्नी के चंदा मोर गांव में, वाह रे मोर पड़की मैना, बखरी के तुमा नार, गवई गंगा जैसी अनेक रचनाएं शामिल थीं। समारोह में उपस्थित लोक कलाकारों और समाजसेवियों ने मस्तुरिया के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल छत्तीसगढ़ी साहित्य और लोकसंगीत को समृद्ध किया, बल्कि सामाजिक चेतना और जनजागरण की मशाल भी प्रज्वलित की। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम पंचायत बंजी के सरपंच देव कुमार ने कहा कि मस्तुरिया जी छत्तीसगढ़ की आत्मा थे। उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को माटी से जोड़ने का काम करेंगी। हमें गर्व है कि हम ऐसे जननायक की जयंती में सहभागी बन सकें।

लखौली और आरंग भट्ठी से बिंदास शराब ढो रहे कोचिये, अमला कर रहा अनदेखा

रायपुर। लखौली और आरंग शराब भट्ठी से कोचिये बिंदास शराब ढो रहे हैं। ये दोनों शराब भट्ठी आरंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इन दोनों भट्ठियों से शराब न केवल आरंग थाना क्षेत्र के ग्रामों में वरन भानसोज शराब भट्ठी विरोधी सफल आंदोलन से जुड़े मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्रामों तक भी पहुंच रहा है। आबकारी व थाना अमला इसे अनदेखा किये बैठे हैं और इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

क्षेत्रीय ग्रामीणों से मिल रही जानकारी व पुष्टि के बाद शराब विरोधी मुहिम से जुड़े किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा ने बीते कल गुरुवार को आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह को ज्ञापन सौंप इस इसकी वजह से ग्रामों में अशांति व्याप्त हो कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की जानकारी देते हुये कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होने की ओर ध्यानाकृष्ट कराते हुये इस पर मुहाने पर ही रोक लगाने का दायित्व निबाहने का आग्रह किया है। ज्ञातव्य हो कि बीते दिनों आयोजित समाधान शिविरों में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने आवेदन दे अवैध शराब, गांजा व नशीली गोलियों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की थी व श्री शर्मा ने जिलाधीश व पुलिस अधीक्षक सहित सहायक आयुक्त आबकारी रामकृष्ण मिश्रा को भी ज्ञापन सौंप इस ओर ध्यानाकृष्ट कराया था पर अभी तक कोई प्रभावी कार्यवाही न होने की जानकारी मिली है।

27 नक्सलियों की मौत के विरोध में नक्सलियों ने मंगलवार को किया भारत बंद का आह्वान

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ (गुंडेकोट, नारायणपुर/गढ़चिरोली से सटे) जंगलों में 21 मई को मुठभेड़ में माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू समेत 27 नक्सलियों की मौत के विरोध स्वरूप, प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के केंद्रीय समिति प्रवक्ता अभय ने 10 जून 2025 को राष्ट्रव्यापी भारत बंद का आह्वान किया है। माओवादियों की केंद्रीय समिति ने एक बयान जारी कर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, सरकार ने शांति वार्ता और युद्धविराम के प्रस्ताव को नकारते हुए लगातार माओवादी कार्यकताओं के खिलाफ सैन्य अभियान तेज किया है। 21 मई को मुठभेड़ में मारे गए 27 माओवादियों में बसव राजू भी शामिल थे। बसव राजू को माओवादी आंदोलन का शीर्ष रणनीतिकार और महासचिव माना जाता था। माओवादियों का आरोप है कि जनवरी 2024 से अब तक सरकार द्वारा चलाए गए अभियानों में करीब 540 माओवादी मारे जा चुके हैं। सरकार की इस दमनकारी नीति के विरोध में 10 जून को भारत बंद का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही 11 जून से 3 अगस्त के बीच मारे गए माओवादियों की स्मृति में स्मारक सभाएंइभी आयोजित की जाएंगी।

बीईओ मनेंद्रगढ़ को कारण बताओ नोटिस

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में नियमानुसार कार्य नहीं किए जाने की वजह से एमसीबी कलेक्टर ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनेंद्रगढ़ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नोटिस में कहा गया कि जिला स्तरीय समिति द्वारा युक्तियुक्तकरण में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु दस्तावेजों का मिलान कार्य 7 जून को किया गया है जिसमें पाया गया कि मनेंद्रगढ़ विकासखंड के 3 विद्यालयों माध्यमिक शाला साल्ही, लेदरी एवं प्राथमिक शाला चिमटीमार में दुर्गा त्रिपाठी, गुंजन शर्मा एवं संध्या देवी सिंह का अतिशेष चिन्हांकन गलत किया गया है। उक्त कृत्य से यह प्रतीत होता है कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में नियमानुसार कार्य नहीं किया गया है।

कारण बताओ नोटिस में बीईओ को कहा गया कि उनका कृत्य पदीय दायित्वों के प्रति उनकी गंभीर लापरवाही को दर्शाता है एवं सिविल सेवा आचरण नियम के विपरीत है। मनेंद्रगढ़ बीईओ को 9 जून की दोपहर 12 बजे तक जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। संतोषप्रद जवाब नहीं होने की दशा में एकपक्षीय कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

राशन वितरण में शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही करें - खाद्य मंत्री बघेल

रायपुर। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की समीक्षा की। मंत्री श्री बघेल ने बैठक में कहा कि सरकार ने प्रदेश के सभी राशनकार्ड धारियों को माह जून से अगस्त तक तीन माह का एकमुश्त चावल देने का निर्णय लिया है। राज्य के सभी 13965 शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से हितग्राहियों को एक जून से चावल वितरण प्रारंभ हो गया है। उन्होंने चावल वितरण में तेजी लाने के साथ ही सभी राशनकार्ड धारियों को आगामी तीन माह का एकमुश्त चावल मिले इस पर विशेष रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चावल वितरण में गड़बड़ी की शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित हो। उन्होंने उचित मूल्य के दुकानों में चावल भंडारण की स्थिति की भी जानकारी ली।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने बैठक में वर्ष 2022-23 से वर्ष 2024-25 के स्टॉक सत्यापन की कार्यवाही की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सितम्बर 2022 की स्थिति में भौतिक सत्यापन उपरांत कम पाए गए खाद्यान्न की वसूली तेजी के साथ किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 335 उचित मूल्य के दुकानों में लगभग 124 करोड़ के राशन सामग्री कम पाए गए थे, जिसमें से 119 करोड़ रूपए की वसूली की जा चुकी है। पांच करोड़ रूपए की वसूली शेष है, जिस पर कार्यवाही की जा रही है। वहीं 27 उचित मूल्य दुकान संचालकों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी गई थी। मंत्री श्री बघेल ने शेष वसूली भी शीघ्र करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री ने चना वितरण एवं भंडारण की स्थिति की भी जानकारी ली। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि रिक्त पदों की पूर्ति हेतु शीघ्र भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने वित्त विभाग से अनुमति ले चुके पदों के लिए पीएससी और व्यापंम को भर्ती प्रस्ताव भेजने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता आयोग राज्य एवं जिला स्तर पर अध्यक्षों और सदस्यों के रिक्त पदों पर विधिसम्मत भरने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने आयोग में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर दिया। मंत्री श्री बघेल ने विधिक मापविज्ञान विभाग की प्रगति की समीक्षा की। नाप तौल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024-25 में नाप तौल के सत्यापन एवं मुद्रांकन से 13.5 करोड़ रूपए की राजस्व प्राप्ति हुई है। वहीं 2.21 लाख नाप तौल उपकरणों का सत्यापन किया गया है। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि माप तौल प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। वहीं लायसेंस प्रदान करने की समय सीमा भी कम की जाए। बैठक में खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक श्रीमती किरण कौशल, मार्कफेड के प्रबंध संचालक श्री रमेश शर्मा, विधिक मापविज्ञान विभाग के संचालक श्री देवेन्द्र भारद्वाज सहित खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीनगर और कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

जम्मू, 8 जून। उत्तर रेलवे ने श्रीनगर शहर और जम्मू-कश्मीर के कटरा शहर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शनिवार को शुरू हो गया, जिसे 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी।

यह रेल सेवा रियासी जिले के कटरा कस्बे को कश्मीर घाटी से जोड़ती है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद इस साल सितंबर में जम्मू से घाटी तक रेल सेवा संचालित होगी।

Sport अम्बिकावाणी 07
अम्बिकापुर, सोमवार 9 जून, 2025

रोहित शर्मा के बाद कौन होगा वनडे में टीम इंडिया का अगला कप्तान, नाम आ गया सामने

नई दिल्ली, 8 जून। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. अब वो सिर्फ भारत के लिए वनडे फॉर्मेट खेलते हुए नजर आएंगे. इस समय तक रोहित शर्मा भारत के लिए वाइट बॉल फॉर्मेट (सिर्फ वनडे) में कप्तान है.

लेकिन क्या रोहित को वनडे में कप्तान बनाया रखा जाएगा. क्या हिटमैन को वनडे टीम में बरकरार रखा जाएगा. इसको लेकर भी लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं. दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रोहित टेस्ट क्रिकेट और वो रोहित के संन्यास से निराश भी नजर आए. ये बात रोहित ने एक इंटरव्यू के दौरान कही थी. ऐसे में क्या बीसीसीआई और चयनकर्ता रोहित शर्मा को वनडे टीम से भी बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं ये अपने आप में ही बड़ा सवाल बना हुआ है.

रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप अभी और खेलना चाहते थे. उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर बतौर कप्तान खेलते हुए बीच में संन्यास लेने की बात भी कही थी लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें बतौर खिलाड़ी पूरी सीरीज खेलने को कहा था. इसके बाद रोहित शर्मा ने अचानक संन्यास ले लिया.

रोहित ने रेड बॉल क्रिकेट के लिए अपना प्यार खुलकर कई बार जाहिर किया है. यहां तक कि उनके पिता को भी टेस्ट क्रिकेट पसंद है खेलना चाहते हैं. इस समय रोहित की उम्र 38 साल से ज्यादा है और अभी वर्ल्ड कप 2027 में लगभग 2 साल से ज्यादा का समय बाकी है. तब तक रोहित 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे. ऐसे में क्या बीसीसीआई और चयनकर्ता उन पर दांव लगाना चाहेंगे. ये सबसे बड़ा सवाल है.

ये भी हो सकता है कि टेस्ट की ही तरह चयनकर्ता रोहित शर्मा का पत्ता वनडे से भी काट दें और भविष्य की टीम बनाने के बारे में सोचें जो वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेल सके. भारत को टेस्ट में रोहित के बाद नया कप्तान शुभमन गिल के रूप में मिला है. वहीं टी20 से संन्यास के बाद रोहित के उत्तराधिकारी के रूप में सूर्यकुमार यादव को भारत का टी20 कप्तान बनाया गया है. अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट बचा है जिससे अगर रोहित की बतौर कप्तान छुट्टी हुई तो बीसीसीआई और चयनकर्ता उनका विकल्प तलाशने पर मजबूर हो जाएंगे. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी कप्तानी से सभी को प्रभावित करने वाले श्रेयस अय्यर भारतीय क्रिकेट टीम की वाइट बॉल कैप्टेंसी के दावेदार माने जा रहे हैं. बीसीसीआई और चयनकर्ता अगर रोहित शर्मा को वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान के तौर पर हटाते हैं तो ऐसे में श्रेयस अय्यर के नाम पर कप्तान के रूप में विचार किया जा सकता है.

अय्यर ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत के लिए मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हुए 11 मैचों में 2 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 530 रन बनाए थे. उनके पास वनडे वर्ल्ड कप खेलने का अनुभव भी है. अय्यर ने अपनी कप्तानी में आईपीएल 2024 में केकेआर को विजेता बनाया जबकि आईपीएल 2025 में फाइनल खेला जहां वो 6 रन से हार गए.

इसके साथ ही वो दिल्ली कैपिटल्स को भी फाइनल में पहुंचा चुके हैं. उनमें भविष्य में एक सफल कप्तान बनने के सारे लक्षण दिखाई देते हैं. ऐसे में बीसीसीआई और चयनकर्ता आने वाले भविष्य में अय्यर के नाम पर कैप्टेंसी के लिए विचार कर सकते हैं.

छोटी खबरें

कोको गौफ ने पहली बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब

0-विश्व की नंबर एक खिलाड़ी को फाइनल में हराया

नई दिल्ली, 8 जून। फ्रेंच ओपन महिला एकल का फाइनल 7 जून को फिलिप चैटियर कोर्ट में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और नंबर दो खिलाड़ी कोको गौफ के बीच हुआ. इस मैच में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली जिसमें कोको गौफ ने अंततः तीन सेटों का मैच 2-1 से जीत लिया और अपने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है. 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गौफ अपने टेनिस करियर में दूसरी बार फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया था. इससे पहले वो 2022 में फाइनल में पहुंची थी जहां उन्हें खिताबी मुकाबले में इगा स्विएटेक से हार मिली थी. इस बार कोको गौफ ने अपनी पिछली गलतियों से सीखा और खिताब जीतने में सफल रहीं. आर्यना सबालेंका के खिलाफ उनका मैच लगभग 2 घंटे 38 मिनट तक चला जिसमें कोको गौफ पहला सेट हार गईं जिसे आर्यना सबालेंका ने टाईब्रेकर में जाकर 7-6 से जीत लिया. पहला सेट हारने के बाद कोको गॉफ ने दूसरे सेट में शानदार वापसी की और आर्यना सबालेंका पर दबाव पूरी तरह से खत्म कर दिया. कोको गौफ ने दूसरा सेट 6-2 से जीतकर मैच 1-1 से बराबर कर दिया. वहीं तीसरे सेट में आर्यना सबालेंका ने वापसी की कोशिश की लेकिन कोको गौफ ने 6-4 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया. जब कोको ने खिताब जीता तो वह खुशी से फर्श पर लेट गईं और अपनी जीत का जश्न मनाया. कोको गॉफ ने इससे पहले 2023 में 18 साल की उम्र में यूएस ओपन का खिताब जीता था. आपको बता दें कि 2015 में सेरेना विलियम्स की जीत के बाद फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं और 2002 में सेरेना विलियम्स के बाद सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं. कोको अब 21 साल की उम्र में खिताब अपने नाम कर चुकी हैं.

इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट टीम ने शुरू की ट्रेनिंग

लंदन, 8 जून। ब्रिटेन पहुंचने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टेस्ट टीम ने अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। पांच मैचों की तैयारी के लिए युवा टीम ने प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया। इस टेस्ट सीरीज के साथ टीम इंडिया के लिए 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी हो जाएगी।

यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत का भी संकेत है, क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ि ों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। भारत का लक्ष्य 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना है।

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर भारत के प्रशिक्षण सत्र की एक झलक साझा करते हुए कैप्शन लिखा, इंग्लैंड में टीम इंडिया की लय में आने की पहली झलक।

वीडियो में, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नए कप्तान शुभमन गिल, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत के साथ प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल हुए। ये एक कड़ा और तेज ट्रेनिंग सेशन था, जो लॉर्ड्स इंडोर क्रिकेट सेंटर में मुख्य कोच गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम की निगरानी में हुआ।

पांच मैचों की यह सीरीज 20 जून को लीड्स में शुरू होगी, जिसके बाद बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमशः सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे।

रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए ओपनिंग की और नंबर तीन बल्लेबाज के तौर पर भी खेला है। 32 टेस्ट में गिल ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम पांच शतक और सात अर्द्धशतक शामिल हैं।

भारत की टीम : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की हुई सगाई, सामने आया वीडियो, दिग्गजों ने दी बधाई

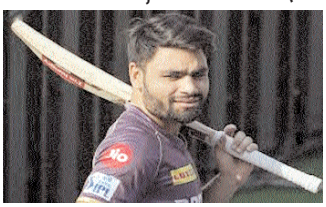

नई दिल्ली, 8 जून । लखनऊ स्थित एक होटल में रविवार को इंडियन क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी (सपा) से सांसद प्रिया सरोज की सगाई पर दिग्गजों का जमावड़ा लगा। इस सगाई समारोह में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, जया बच्चन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

सगाई समारोह से रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की तस्वीर भी सामने आई है। इन तस्वीरों में प्रिया सरोज प्याजी रंग के लहंगे में दिखीं तो रिंकू सफेद रंग की शेरवानी पहने दिखे। सगाई की अंगूठी पहनाते वक्त सपा सांसद काफी भावुक हो गईं और फफक-फफक कर रो पड़ीं। इस भावुक क्षण में रिंकू ने उन्हें संभाल लिया। दोनों की जोड़ी को हर ओर से बधाईयां मिल रही हैं। यह जोड़ी इसी साल 18 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेगी। सगाई समारोह से कई वीडियो भी सामने आई हैं, जिसमें दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। रिंकू सिंह के चेहरे पर खुशी साफ तौर पर देखने को मिल रही है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि हम दोनों परिवारों को बधाई देने आए हैं। विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा, उन्हें बहुत-बहुत बधाई। वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, मैं उन्हें बधाई देने आया हूं। वे खुश रहें, धन्य रहें, और उनका वैवाहिक जीवन शानदार रहे।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने इस जोड़ी को अद्भुत बताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी।

महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई, 8 जून । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते बाजार का रुझान तय होगा।

12 जून को सरकार की ओर से महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। महंगाई का पूरी अर्थव्यवस्था पर असर होता है। इस कारण शेयर बाजार के लिए भी महंगाई के डेटा को काफी अहम माना जाता है। अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.16 प्रतिशत थी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर अमेरिकी टैरिफ पर किसी भी अपडेट का बाजार पर काफी असर हो सकता है। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन शानदार रहा है और लगातार दो हफ्तों की गिरावट के बाद बाजार तेजी के साथ बंद हुए। निफ्टी 252 अंक या 1.02 प्रतिशत बढ़कर 25,003.05 और सेंसेक्स 737.98 अंक या 0.91 प्रतिशत बढ़कर 82,188.99 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व निफ्टी बैंक ने किया। इस दौरान मुख्य बैंकिंग इंडेक्स 1.5 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 56,578.40 पर बंद हुआ। इस दौरान इंडेक्स ने 56,695 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया।

2-6 जून के कारोबारी सत्र में निफ्टी रियल्टी में 9.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। मीडिया और आईटी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) शुद्ध विक्रेता रहे और इस दौरान उन्होंने 3,565 करोड़ रुपए की इक्विटी मार्केट में बिकवाली की।

व्यापार/फिल्म

पुष्पा की हिरोइन बनी दीपिका पादुकोण, एटली की साई-फाई फिल्म में एक्ट्रेस की ऑफिशियल एंट्री

दीपिका पादुकोण का नाम इन दिनों इंटरनेट पर छाया हुआ है. हाल ही में उनकी संदीप रेड्डी वांगा के साथ हुई कॉन्ट्रोवर्सी ने खूब चर्चा बटोरी. जिसके बाद उनके प्रभास स्टारर स्पिरिट से बाहर होने की खबरें आईं. इतना ही नहीं उनके कल्कि 2 का हिस्सा ना होने की खबरें भी सामने आईं. लेकिन अब फाइनली उनके फैंस के लिए कुछ ऐसा आया है जिसके लिए वे एक्साइटेड और खुश दोनों हो सकते हैं. दीपिका पादुकोण ऑफिशियली एटली की अपकमिंग साई-फाई एए22&ए6 का हिस्सा बनने जा रही हैं.

एए22&ए6 के की टीम ने आधिकारिक तौर पर दीपिका पादुकोण के फिल्म में शामिल होने की पुष्टि कर दी है. आज प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने एक वीडियो रिलीज किया है जिसमें दीपिका एक खास सूट में एटली के निर्देशन में एक स्टूडियो में शूटिंग करती हुई नजर आ रही हैं. टीम ने इस साई-फाई प्रोजेक्ट के लिए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं. सन पिक्चर्स ने लिखा, रानी विजय के लिए आगे बढ़ी. दीपिका पादुकोण का स्वागत है.

यह वीडियो अप्रैल में अल्लू अर्जुन के लिए रिलीज किए गए वीडियो के जैसा ही है, जब फिल्म की अनाउंसमेंट की गई थी. निर्देशक एटली ने ब्लू-मैट सेट पर सभी एक्टर्स के लुक का टेस्ट किया है. इस नए क्लिप में दीपिका पादुकोण हाथ में तलवार लिए घोड़े पर सवार दिखाई दे रही हैं, जो इस बात का संकेत है कि फिल्म में फंतासी, पीरियड और साइंस-फिक्शन का मिक्सचर होगा.

इस फिल्म में अल्लू अर्जुन डबल रोल में नजर आएंगी और कथित तौर पर तीन से पांच लीड एक्ट्रेस होंगी. आज, टीम ने दीपिका पादुकोण के लुक और प्रोजेक्ट की लीड एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस कर दिया है. आने वाले दिनों में, मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर जैसी एक्ट्रेस के लुक की भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट होने की उम्मीद है. अल्लू अर्जुन के इस प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट होते ही फैंस एक्साइटेड हो गए थे और अंदाजा लगा रहे थे कि एटली और अल्लू जरूर कुछ बड़ा करने वाले हैं. अब दीपिका की एंट्री ने दर्शकों की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ा दी है. फैंस कमेंट सेक्शन में दीपिका के एक्शन की खूब तारीफ कर रहे हैं वहीं एटली के प्रोजेक्ट को अभी हिट बता रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, क्वीन इज बैक. एक ने कमेंट किया, एटली जरूर कुछ बड़ा लाने वाले हैं. एक यूजर ने लिखा, एटली, अल्लू अर्जुन, दीपिका पादुकोण, वाह क्या टीम है, एक ने कमेंट किया, बीजीएम कितना शानदार है, मैं तो अभी से एक्साइटेड हूं.

बता दें कुछ दिनों से दीपिका पादुकोण कुछ कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं. एनिमल फेम डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी ने दीपिका का नाम लिए एक ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस पर उनकी फिल्म की कहानी लीक करने का आरोप लगाया था. हालांकि नेटिजन्स को समझते देर ना लगी कि ये दीपिका के लिए था. इसके बाद उनके कल्कि 2 से बाहर होने की खबरें भी आईं. लेकिन अब एटली के साथ कोलेबोरेशन से उनके फैंस बहुत खुश और एक्साइटेड हैं.

००

धनुष, नागार्जुन की फिल्म कुबेर का दूसरा एकल अनावरण कथा जारी, 20 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

धनुष और नागार्जुन अभिनीत कुबेर की टीम प्रचार की लहर को मजबूत बनाए हुए है, और नवीनतम रिलीज, अनगनगा कधा, फिल्म के नैतिक सार की एक शक्तिशाली संगीतमय व्याख्या प्रस्तुत करती है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित सामाजिक थ्रिलर के लिए प्रत्याशा के रूप में, यह नया एकल फिल्म के सार को प्रकट करता है। यह वास्तव में एक भयावह संख्या है जो लालच, नैतिक पतन और इनके बीच फंसी नाजुक मानवता के विषयों के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होती है।

रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद द्वारा रचित, जो अपने चार्टबस्टर मास नंबर के लिए जाने जाते हैं, अनगनगा कढ़ा एक जानबूझकर बदलाव और एक प्रयोगात्मक, आत्मा को झकझोर देने वाला साउंडस्केप है जो उनकी सिग्नेचर स्टाइल से अलग है। गीतकार चंद्रबोस ने ऐसी पंक्तियाँ कही हैं जो गहरी चोट पहुँचाती हैं, आर्थिक असंतुलन और पैसे के भ्रष्ट प्रभाव जैसे भारी मुद्दों से निपटने के लिए गहन शब्दों का उपयोग करती हैं। यह गीत एक नैतिक कम्पास के रूप में कार्य करता है, जो दर्शकों को उस भावनात्मक क्षेत्र में ले जाता है जिसे फिल्म तलाशने का लक्ष्य रखती है।

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 बनी 2025 की सबसे बड़ी ओपनर, स्काई फोर्स और केसरी चैप्टर 2 को छोड़ा पीछे, ठग लाइफ को झटका

अक्षय कुमार को लंबे समय बाद हाउसफुल 5 के जरिए एक ऐसी फिल्म का मुंह देखने को मिला है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग ली है।

उनकी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी।

फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, फिल्म के क्लाइमैक्स की बड़ी तारीफ हुई। आइए जानें फिल्म ने टिकट खिड़की पर पहले दिन क्या कमाल किया। सैकनिल्क पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक, हाउसफुल 5 ने इस फ्रेचाइजी की सभी फिल्मों की पहले दिन की कमाई को पीछे करते हुए नंबर वन की गद्दी हासिल कर ली है।

फिल्म ने 23 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला है और पहले स्थान पर काबिल होने के लिए इसने हाउसफुल 4 का 19.08 करोड़ रुपये के ओपनिंग डे कलेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ा डाला है। यही नहीं, ये कॉमेडी जॉनर में भी अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है।

फिल्म इस साल रिलीज हुई छावा (31 करोड़), सिकंदर (26 करोड़) के बाद तीसरी सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गई है। हाउसफुल 5 कोरोनाकाल के बाद अक्षय की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली दूसरी फिल्म बनी। इससे पहले सूर्यवंशी ने 26.29 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। एडवांस बुकिंग से इस फिल्म ने 13.94 करोड़ रुपये कमाए थे और ऐसा करते ही ये फिल्म अक्षय के करियर में एडवांस बुकिंग से सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म बन गई।

दोस्ताना बनाने वाले निर्देशक तरुण मनसुखानी की ये पहली फिल्म है, जिसने पहले दिन इतनी बढ़ि ?ा कमाई की है।

ये रिलीज के बाद देश की सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म बन चुकी है। इसका बजट 225 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।

इस फिल्म की कहानी एक क्रूज शिप पर हुई हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है। अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी और नाना पाटेकर जैसे कई कलाकार इसका हिस्सा हैं।

कमल हासन की ठग लाइफ उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। फिल्म की कमाई में दूसरे दिन काफी गिरावट दर्ज की गई है।

ठग लाइफ ने रिलीज के पहले दिन 15.5 करोड़ की कमाई की थी,वहीं सैकनिल्क के मुताबिक इसने रिलीज के दूसरे दिन 7.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। मतलब यह कि दूसरे ही दिन इसकी कमाई आधी हो गई।

श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर में 10 जून को उत्सव

रायपुर। संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का तृतीय वार्षिक उत्सव 10 जून को चौबे कॉलोनी स्थित श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर में मनाया जाएगा। इस मौके पर सुबह 6.30 बजे श्री गणेश मंदिर अग्रसेन चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। छप्पन भोग, पान भोग, भजन संध्या और भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। कलाकार वीरेन्द्र साहू द्वारा स्केटिंग कर शोभायात्रा मार्ग में लाइव रंगोली व फायर रंगोली बनाई जाएगी। वहीं छिंदवाड़ा के प्रसिद्ध कलाकार विकास मालवी गायन प्रस्तुति देंगे।

न्यूज़ गैलरी

रायपुर-जबलपुर के बीच चलेगी नई इंटरसिटी एक्सप्रेस

रायपुर। जबलपुर स्थित मदन महल स्टेशन से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बीच एक नई इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन रोजाना संचालित की जाएगी। रेलवे ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

बता दें कि यह नई इंटरसिटी ट्रेन मदन महल से सुबह 6.10 बजे रवाना होगी और बालाघाट व गोंदिया होते हुए दोपहर 1.50 बजे रायपुर स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन रायपुर से दोपहर 2.45 बजे चलकर रात 10.30 बजे मदन महल पहुंचेगी। इस इंटरसिटी एक्सप्रेस से मदन महल और रायपुर के बीच का सफर महज 7 घंटे 40 मिनट में पूरा होगा। वर्तमान में, रायपुर से जबलपुर के बीच केवल अमरकंटक एक्सप्रेस संचालित होती है, जिसे यह दूरी तय करने में लगभग 9 घंटे लगते हैं। एक ही ट्रेन होने के कारण अमरकंटक एक्सप्रेस में अक्सर लंबी वेटिंग लिस्ट रहती है, जिससे यात्रियों को कंफर्म सीट मिलने में परेशानी होती है। नई इंटरसिटी के शुरू होने से यात्रियों को कंफर्म बर्थ मिलने में सुविधा होगी और उनके यात्रा समय में 2 घंटे 20 मिनट की बचत होगी।

तोमर बंधुओं का नहीं मिल रहा सुराग, उनके 25 गुर्गे भी फरार

रायपुर। मारपीट, सूदखोरी और अवैध हथियार के गंभीर मामलों में आरोपित वीरेंद्र और रोहित तोमर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए हैं। पुलिस इन दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया है। इनके नेपाल भागने की खबर है।

आरोपितों का पासपोर्ट भी नहीं मिल रहा है। वहीं सूदखोरी मामले में आरोपित बनाई गई दोनों की पत्नियों से भी अब तक पूछताछ नहीं हो पाई है। उनके घर में काम करने वाले, साथ में चलने वाले 35 में से 25 लोग गायब हैं। बताया जा रहा है कि इनके नाम पर करोड़ों की संपत्ति है। पैसों का अवैध लेन-देन इनके ही बैंक खाते में किया गया है। तोमर बंधुओं ने ब्याज के नाम पर लोगों से करोड़ों की वसूली की है। इसके अलावा कर्जदारों को डराकर उनकी संपत्ति की अपने नाम या अपने कर्मचारियों के नाम रजिस्ट्री कराई गई। इन कर्मचारियों के खातों में बड़ी रकम का ट्रांजैक्शन हुआ है, लेकिन सभी कर्मचारी अब गायब हैं। पुलिस इन खातों और संपत्तियों की जानकारी खंगाल रही है। वहीं काम करने वाले दूसरे राज्यों के हैं। इससे अब पुलिस का उन तक पहुंचना मुश्किल होगा।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद आज से फिर शुरू होगी हाईकोर्ट में सुनवाई

कोरोना नियमों का करना होगा पालन, कोर्ट प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

बिलासपुर। एक महीने के ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सोमवार से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में फिर से कामकाज शुरू होने जा रहा है। इस बार माहौल थोड़ा अलग रहेगा, क्योंकि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए कोर्ट प्रशासन ने सतर्कता बरतने की एडवाइजरी जारी की है। हाईकोर्ट के प्रभारी रजिस्ट्रार जनरल खिलावन राम रिगरी ने सभी वकीलों, पक्षकारों, कोर्ट स्टाफ और अन्य आने-जाने वालों के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की अपील की है। जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि कोर्ट परिसर में मास्क, स्कार्फ या रूमाल से मुंह ढक कर ही आएं, सैनिटाइजर का नियमित उपयोग करें, कोर्ट परिसर में भीड़ न लगाएं तथा अनावश्यक जमावड़े से बचें। क्योंकि हाईकोर्ट में सोमवार से नियमित बेंचों की सुनवाई फिर शुरू हो रही है। इससे कोर्ट परिसर में वकीलों, मुवक्किलों और सरकारी अधिकारियों की आवाजाही बढ़? वाली है। इसलिए पहले से ही सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

राजधानी की डॉ. अंजली बनी मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़

रायपुर। राजधानी रायपुर की रहने वाली डॉ. अंजलि पवार ने मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 का खिताब जीता है। अंजलि आने वाले महीनों में होने वाली मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी। अंजलि पेशे से डेंटिस्ट और मेडिटेशन टीचर भी है।

जोगी विरोधियों ने पहले शराब पी, फिर जोगी प्रतिमा को उखाड़ कर कचरे में फेंक दी- अमित

रायपुर। गौरैला-पेंड्रा-मरवाही में ₹सुशासनन का क्या हाल है, आप सब को पता है, पिछले महीने यानि 25 मई की रात मानसिक दिवालियापन से ग्रसित, कुछ लोगों ने एक स्थानीय सरकारी अधिकारी के संग पटियाला ढाबा में बैठकर पहले खूब शराब पी और फिर आधी रात ज्योतिपुर चौक गौरैला में जाकर छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा को रात के अंधेरे में, हाइड्रा लाकर, प्रतिमा उखाड़ कर कचरे में फेंक दी। इस अत्यंत दुखद और विद्वंसकारी घटना से केवल जोगी की प्रतिमा को ठेस नहीं बल्कि उनके चाहने वाले, उनका सम्मान करने वाले, प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा को ठेस पहुंची है। आज 2 हफ्ते हो गए, न जोगी की प्रतिमा ज्योतिपुर चौक गौरैला में पुनर्स्थापित हो पायी और न ही दोषी पकड़े गए। वैसे, हम लोगों को कोई उम्मीद नहीं है कि, पुलिस-प्रशासन दोषियों को पकड़ पाएगा, क्योंकि ये अपराधी निडर होकर खुल्ले घूम रहे हैं, पुलिस-प्रशासन को छोड़कर पूरी दुनिया को दिख रहे हैं और तो और पिछले हफ्ते स्वास्थ्य मंत्री के साथ पेंड्रा गेस्ट हाउस में बैठकर ये अपराधी चाय पी रहे थे। उक्त बातें जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही।

अमित जोगी ने कहा कि इस पूरे मामले के तीन मुख्य बिंदु हैं। पहला अगर आपको जोगी जी की प्रतिमा से परेशानी थी तो आप लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करते, कानून का सहारा लेते, हमसे संपर्क करते, लेकिन रात के अंधेरे में चोरी छिपे प्रतिमा को क्यों उखाड़ा ? दूसरा यह है कि, जोगी की प्रतिमा ज्योतिपुर चौक में जोगी परिवार की आधिपत्य की निजी भूमि पर स्थापित हुई थी न की किसी सरकारी या सार्वजनिक जमीन पर तो आपने प्रतिमा को किस आधार पर हटाया और तीसरा आपका यह तर्क कि नगर पालिका गौरैला ने ज्योतीपुर चौक में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव पारित किया था, यह तर्क पूरी तरह झूठा, निराधार, भ्रामक और अवैधानिक है। सच तो यह है कि ज्योतिपुर चौक की जमीन सरकारी नहीं है, यह निजी भूमि है और जोगी परिवार के आधिपत्य की भूमि है। नगर पालिका गौरैला ने श्याम प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा टीकर बाईपासर में स्थित भूमि पर लगाने का प्रस्ताव पारित किया था न की ज्योतिपुर चौक में। ज्योतिपुर चौक की भूमि निजी है। इसे 1932 के पूर्व, स्वर्गीय श्री मेंजेस ने क्रय किया था और आजादी के उपरांत रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से संचालित उसके मालिक, एक संस्था ने 2020 से लेकर उसके प्रतिसंहरण तक श्री अतुल आर्थर के पक्ष में ₹पॉवर ऑफ अटॉर्नीर प्रदान की, जो कि वर्तमान में कानूनी रूप से लागू है। 2021 में स्वर्गीय श्री अजीत जोगी के स्वर्गवास के उपरांत उपरोक्त निजी आधिपत्य की भूमि के ₹पॉवर ऑफ अटॉर्नीर के आधार पर श्री अतुल आर्थर एवं सोसाइटी के सभी जीवित प्रमुखों, प्राचीनों एवं पादरियों ने उपरोक्त जमीन में प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा एवं उद्यान स्थापित करने हेतु अनापत्ति पत्र जारी किया था। ज्योतिपुर चौक की इसी जमीन पर चबूतरा एवं उद्यान निर्माण कार्य हेतु तत्कालीन विधायक डॉ श्रीमति रेणु जोगी ने उपरोक्त निजी भूस्वामी को इस शर्त पर 3.5 लाख अपनी विधायक निधि से प्रदान किए थे की चबूतरे में उनके द्वारा निर्मित स्वर्गीय अजीत जोगी की आदम कद प्रतिमा स्थापित की जाएगी और निर्माण कार्य की एजेंसी नगर पालिका गौरैला को नामांकित किया गया था। विधायक निधि से उपरोक्त अनुबंध में निजी आधिपत्य की भूमि में केवल चबूतरा एवं उद्यान का निर्माण कार्य नगर पालिका गौरैला द्वारा कराया जाना था तथा चबूतरा के ऊपर उनके परिवार के क्रय से निर्मित स्वर्गीय श्री अजीत जोगी की आदम कद मूर्ति स्थापना की जानी थी। इस संबंध में माननीय डॉ रेणु जोगी जी का जिलाधीश को लिखा 20 सितंबर 2023 का पत्र भी आपके समक्ष प्रस्तुत है।

मंत्री राजवाड़े ने किया सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह का निरीक्षण, बोली बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी है प्रेरणा

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बिलासपुर में स्थित गैर शासकीय संस्था सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह (विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिशु गृह में निवासरत बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और संस्था द्वारा प्रदान की जा रही देखभाल सुविधाओं की जानकारी ली।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों के साथ समय बिताया और कहा, इन मासूम चेहरों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। ये बच्चे हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी हैं, और उनके सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए राज्य सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्था द्वारा बच्चों के संरक्षण, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और पुनर्वास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दत्तक ग्रहण योग्य बच्चों के लिए कार्यरत ऐसी संस्थाएं समाज में सकारात्मक बदलाव की आधारशिला हैं। सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह, एक मान्यता प्राप्त विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी है, जो परित्यक्त, अनाथ और असहाय बच्चों को आश्रय, देखभाल और सुरक्षित गोदन प्रक्रिया के माध्यम से नया परिवार प्रदान करती है। संस्था में बच्चों की उम्र के अनुसार पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी संस्थाओं को समय-समय पर तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाए ताकि बच्चों को बेहतर जीवनशैली मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को पारदर्शी, संवेदनशील और सरल बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। निरीक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी, बाल संरक्षण इकाई के सदस्य एवं संस्था की संचालिका सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। सभी ने मंत्री को संस्था की कार्यप्रणाली एवं वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नेताम से की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समाजसेवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अरविंद नेताम से सौजन्य मुलाकात की। श्री नेताम को हाल ही में संघ मुख्यालय के प्रतिष्ठित आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लिए गौरव की बात बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन समाजों को और अधिक नजदीक लाने में सहायक होते हैं और जन-जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि श्री नेताम ने अपने उद्बोधन में मतांतरण, विकास, पर्यावरण आदि जैसे जन सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विमर्श किया, जो समाज के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस अवसर पर डॉ. प्रीति नेताम एवं समाज के युवा नेता श्री विनोद नागवंशी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है श्री अरविंद नेताम ने राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यक्रम में कहा था कि नक्सलवाद और मतांतरण जैसी समस्याओं का समाधान संघ और समाज के सामूहिक प्रयास से ही संभव है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा नक्सलवाद पर की गई कार्यवाही की सराहना की, साथ ही कहा कि इसे जड़ से समाप्त करने की जरूरत है। विकास के संदर्भ में उन्होंने आदिवासी समाज की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने, भूमि अधिग्रहण की बजाय लीज पर देने और डिलिस्टिंग आंदोलन को लेकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार से ठोस कानून बनाए जाने की अपेक्षा व्यक्त की थी।

मुख्यमंत्री ने चिंतन शिविर 2.0 को बताया नीति-निर्माण का सशक्त मंच

00 आईआईएम रायपुर में मंत्रियों ने सीखी सुशासन और नेतृत्व की बारीकियां

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि 'चिंतन शिविर 2.0' जैसे प्रशिक्षण सत्र शासन को नया दृष्टिकोण और नीतिनिर्माण प्रक्रिया को सशक्त बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से मंत्रीगणों को सुशासन और परिवर्तनकारी नेतृत्व के महत्वपूर्ण गुर सीखने का अवसर मिलता है। आईआईएम रायपुर में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के प्रथम सत्र में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और राज्य के सभी मंत्रीगण शामिल हुए। इस सत्र में 'परिवर्तनकारी नेतृत्व', 'दूरदर्शी शासन', 'संस्कृति', 'सुशासन' और 'राष्ट्र निर्माण' जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने 'परिवर्तनकारी नेतृत्व एवं दूरदर्शी शासन' विषय पर अपने व्याख्यान में भगवद्गीता के श्लोकों के माध्यम से निष्काम कर्म और नैतिक प्रशासन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कार्य केवल फल की आशा से नहीं, बल्कि उसके सही होने के कारण किया जाना चाहिए। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने 'संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा, भारत की एकता केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भी है। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों या संसाधनों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से संभव है। उन्होंने अंत्योदय के महत्व पर बल देते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सुशासन की प्राथमिकता बताया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि चिंतन शिविर जैसे आयोजन शासन को नई दिशा और ऊर्जा देते हैं। उन्होंने दोनों विशेषज्ञ वक्ताओं के विचारों को अत्यंत प्रेरणादायक और नीति-निर्माण के लिए उपयोगी बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के विशेष सचिव श्री रजत बंसल, भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के निदेशक श्री राम काकाणी और सभी मंत्रीगण उपस्थित थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जून महीने के अंत में छग के बस्तर प्रवास में मिलेंगे जवानों से

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों के नक्सल मोर्चे पर सुरक्षाबलों को लगातार मिल रही बड़ी कामयाबी के बीच बीते महीने अबूझमाड़ के गहरे जंगलों में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने माओवादी संगठन के शीर्ष कैडर के 10 करेड़ के ईनामी कुख्यात नक्सली बसव राजू को ढेर किया था। इस बड़ी सफलता के बाद शाह ने दिल्ली में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों को सम्मानित किया था और अब जवानों से मिलने स्वयं छत्तीसगढ़ के बस्तर के विशेष प्रवास पर आ रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जून महीने के अंत में छत्तीसगढ़ के बस्तर के अपने विशेष प्रवास पर पहुंचकर नक्सल ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों के जवानों से सीधी मुलाकात करेंगे और उनका हौसला बढ़ाएंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अमित शाह के संभावित दौरे की पुष्टि करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दौरा केवल जवानों से मुलाकात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, विकास योजनाओं की प्रगति और प्रशासनिक ढांचे की मजबूती जैसे विषयों पर उच्चस्तरीय बैठकें भी होंगी। मिली जानकारी के अनुसार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की रणनीति और जमीनी कामयाबी को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में पहुंचकर यहां तैनात सुरक्षाबलों के जवानों की पीठ थपथपाएंगे। सूत्रों के अनुसार वे छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों के किसी नक्सल प्रभावित जिले में पहुंच सकते हैं, हालांकि जगह और तारीख को लेकर आधिकारिक घोषणा नही की गई है। इस विशेष बस्तर प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आईबी प्रमुख तपन डेका समेत सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रह सकते हैं। इससे नक्सल मोर्चे पर जारी रणनीति को और अधिक धार मिलेगी और आने वाले समय में नक्सली गतिविधियों को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ेंगे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टूटेजा, नरेन्द्र सिंह टूटेजा द्वारा टूटेजा मीडिया पब्लिकेशन, समनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, ○ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टूटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

KJ
स्थापना - 1928
100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन - 07774-222309

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर
अम्बिकापुर सोमवार 09 जून 2025

प्रेम से बोला गया एक शब्द भी अनेक दुःखी आत्माओं को शांति प्रदान कर सकता है।

साल्ही कोल ब्लॉक में महिला एवं पुरूषों ने खदान में घुस कोयला वाहन गाड़ियों को रोककर किया जाम

ग्रामीणों ने कहा अभी तक मुआवजा नहीं और किसानों की जमीनों में शुरू कर दिया कार्य

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। शनिवार को ग्राम पंचायत साल्ही के कोल पीसीबी कोल ब्लॉक में लगभग ८०-९० महिलाएं एवं पुरूष ने खदान में घुस गए और कोयला वाहन गाड़ियों को रोककर जाम कर दिया।

ग्रामीणों ने कहा कि अडानी कंपनी ने ग्रामीणों के रास्ते को बंद करके किसानों की जमीनों में कार्य शुरू कर दिया है। जिसके कारण प्रभावित गांव के लोग आक्रोषित होकर सुबह ११ बजे लगभग ८० लोगों के जनसंख्या में पीसीबी कॉल ब्लॉक में घुस गए और कोयला ढोने वाली गाड़ियों को जाम कर दिया। सूचना मिलने पर अडानी प्रबंधन के राजेश व एच आर हेड राम द्विवेदी मौके

पहुंचे और गमीणों को समझाने की कोशिश की, परन्तु ग्रामीणों ने गाड़ियों को जाम रखा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी उदयपुर कुमारी चंद्राकर अपने स्टॉफ के साथ पहुंची। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अडानी कंपनी ने बिना मुआवजा दिए उनके जमीनों को फेंसिंग कर रास्तों को ब्लॉक कर कोयला खोदाई का कार्य प्रारंभ कर दिया है जिससे ग्रामीणों और उनके मवेशियों को आने जाने में समस्या हो रही है।

ग्राम साल्ही निवासी राजा जय सिंह कुसरो ने अडानी कंपनी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीसीबी कोल ब्लॉक फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव के आधार पर खोला गया है और सभी किसानों को मुआवजा भी नहीं दिया गया है। वावजूद इसके उनके जमीनों पर खोदाई कार्य कर रहा है जो उचित नहीं है। पीसीबी कोल ब्लॉक के अंदर उनके तीन देव स्थल है जहाँ आने जाने में समस्या हो रही है। आगे उन्होंने जिला प्रशासन से मांग किया कि जब तक अंतिम किसान का मुआवजा वितरण नहीं हो जाता तब तक किसानों के रास्तों एवं जमीनों को कोई नुकसान नहीं होना चाहिए, उन्हें यथावत रखने का मांग किया। अडानी प्रबंधन ने रास्तों को खोलने और आवागमन के व्यवस्था करने हेतु ५ दिन का समय माँगा, जिसके बाद थाना प्रभारी के समझाने के बाद ग्रामीणों ने एक घंटा जाम करने के बाद गाड़ियों के जाम को खोलने दिया।

इस दौरान साल्ही गांव के सरपंच प्रतिनिधि विजय कुमार कोर्राम, क्षेत्र क्रमांक १० के बी.डी.सी. श्रवण सिंह वरकड़े और जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रैमुनिया करियाम के साथ साल्ही गांव के ग्रामीण आनंद राम कुसरो, ठाकुर राम कुसरो, राम लाल करियाम, भगवती राम कुसरो, अकील साय कुसरो, धरम पाल पोर्ते, जायलाल पोर्ते, सुखनन्दन पोर्ते, बुधराम उइके सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

उदयपुर टीआई कुमारी चंद्राकर बनीं डीएसपी, जिले में खुशी

उदयपुर (अंबिकावाणी समाचार)। रायपुर पुलिस विभाग ने ६ जून को प्रमोशन लिस्ट जारी की। इसमें सरगुजा जिले के उदयपुर थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर को डीएसपी पद पर पदोन्नति मिली। इस खबर से उदयपुर सहित पूरे जिले में खुशी का माहौल है। कुमारी चंद्राकर १९९९ बैच की पुलिस अधिकारी हैं। अब तक वे छत्तीसगढ़ के ११ थानों में सेवा दे चुकी हैं। उन्होंने कई संदिग्ध और अपराध जैसे जुड़े क्राइम मामलों में सफलता पाई है। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें जिले सहित राज्य स्तर पर कई बार सम्मानित किया गया है।

डीएसपी बनने के बाद उदयपुर के जिला अध्यक्ष परमेश्वर प्रजापति, निरंजन सिंह, कन्हाई राम बंजारा, उदरपाल राजवाड़े और आमोद तिवारी पत्रकारों ने थाने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर कुमारी चंद्राकर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पौने दो साल के कार्यकाल में ग्रामीणों और पुलिस के बीच बेहतर तालमेल रहा। लोगों ने हमेशा सहयोग की भावना रखी, जिससे पुलिसिंग में मदद मिली।

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
प्रतिदिन उपलब्ध
डॉ. सोनल गार्डिया
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल एवं लैप्रोस्कॉपिक सर्जन
सुविधाएं –
*पित्त की थैली की पथरी
*गुर्दे की पथरी
*प्रोस्टेट की समस्या
*अपेन्डिक्स, हार्निया
*लीवर से संबंधित बीमारियां
*बवासीर (फिशर एवं फिस्टुला)
*भूख न लगना, गैस की समस्या
*आँतों से संबंधित समस्याऐं
*शरीर में गांठे
*दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन
*पेट संबंधी सभी प्रकार की बीमारियां
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780
8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

टैंकर पलटने से बहने लगा डीजल, लूटने मची होड़

प्रतापपुर (अंबिकावाणी समाचार)। क्षेत्र अंतर्गत प्रतापपुर बनारस मार्ग के दरहोरा में डीजल से भारी टैंकर अनियंत्रित होकर पलट जाने से जहां सड़क पर टैंकर पलट जाने से डीजल भरभरा कर गिरने लगा। टैंकर पलटने की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने एवं राहगीरों ने टीन डब्बा,बाल्टी लोटा गिलाश ,थाली व जर्किन में डीजल लूटना प्रारंभ किया, जिसमें भारी संख्या में महिला पुरुष बच्चों सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण देखते ही देखते हैं मौके पर डीजल लेने को दौड़ने लगे। तथा आने जाने वाले राहगीरों ने भी जमकर डीजल लूटा। बताया जा रहा है कि यह टैंकर डीजल लेकर किसी पेट्रोल टंकी में जा रहा था।

प्रतापपुर अंतर्गत बनारस मुख्य मार्ग के ग्राम पंचायत दरहोरा के टर्निंग के पास डीजल से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर टर्निंग के पास सड़क किनारे पलट गया। जिससे टैंकर क्षतिग्रस्त हो गया और तेल बहने लगा जिससे स्थानीय ग्रामीणों में तेल लेने होड़ मच गयी। सुरक्षा को ताक में रखकर ग्रामीण तेल ले जाते दिखाई दिये।स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे और लोगों को पलटे टैंकर से दूरी बनाने को कहा।

मगर कोई भी ग्रामीण मानने को तैयार नहीं था। वहां अफरा तफरी और जबरदस्त माहौल देखा गया। इस घटना होने के बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है।

बसंतपुर पुलिस को बहुत बड़ी सफलता, 14 क्विंटल 44 किलो डोडा सहित ट्रक को किया जप्त

बसंतपुर (अंबिकावाणी समाचार)। थाना बसंतपुर जिला बलरामपुर पुलिस के द्वारा मादक पदार्थ डोडा के परिवहन करने वाले के विरुद्ध बड़ी कारवाही। की है। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज सरगुजा के दीपक कुमार झा भारतीय पुलिस सेवा एवं बलरामपुर पुलिस अधीक्षक वैभव वेंकर भारतीय पुलिस सेवा के निर्देशन पर एवं श्रीमान पुलिस अतरिक्त अधीक्षक विश्वदीप त्रिपाठी एवं पुलिस अनुविभागिय अधिकारी श्री रामवतार धुर्वे के मार्गदर्शन में एवं बसंतपुर थाना पुलिस उपनिरीक्षक मदन तिवारी और रघुनाथ सिंह मरावी ए एस आई पुष्पराज सिंह एवं पुलिस स्टॉप

के द्वारा धनवर बार्डर पर अवैध रूप से परिवहन करते हुए पकड़ा पुलिस जिला बलरामपुर के अंतर्गत बसंतपुर थाना के पुलिस रात्रि गस्त के दौरान मुखबिर के द्वारा सुचना मिलते ही टाटा अल्ट्रा ट्रक को अपने कब्जे चेक किया गया तो जिसमें मादक पदार्थ डोडा पाया गया जिसको पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी को अवगत कराकर बसंतपुर पुलिस कारवाही में लिया बताया जा रहा है की टाटा अल्ट्रा ट्रक डोडा लोड कर उत्तरप्रदेश की ओर जा रहा था जिसको बसंतपुर पुलिस पकड़कर एनडीपीएससी एक्ट के तहत कारवाही किया जिसमे डोडा मादक पदार्थ की वजन १४ क्विंटल ४४ किलो पाया गया जिसकी बाजार मूल्य लगभग १ करोड़ ३० लाख रुपए आँका गया। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश जारी। आज के इस एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही में मुख्य रूप से बसंतपुर पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आस्था के केंद्रों में पुराने नीम के पेड़ को सुरक्षित करते हुए बनाया गया था शेड

रामानुजगंज (अंबिकावाणी समाचार)। नगर के वार्ड क्रमांक ९ में स्थित जिले के प्रमुख आस्था के केंद्रों में एक मां महामाया मंदिर में पुराने नीम के पेड़ को बचाने के लिए शेड की संरचना में इस प्रकार परिवर्तन किया गया की जिससे नीम के पेड़ को कोई नुकसान नहीं हो। पेड़ को सुरक्षित करते हुए करीब १० वर्ष पूर्व शेड निर्माण किया गया था पेड़ आज भी पूर्णत सुरक्षित है।

मां महामाया मंदिर में पूरे वर्ष भर प्रतिदिन भक्तों की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए भक्तों की सुविधा के हिसाब से शेड निर्माण की आवश्यकता महसूस हो रही थी परंतु शेड निर्माण में मंदिर प्रांगड़ में स्थापित नीम का विशाल वृक्ष सबसे बड़ी बाधा बन रहा था इसे बिना काटे शेड का निर्माण संभव प्रतीत नहीं हो रहा था इस बीच तात्कालिक नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल के पहल पर शेड की संरचना में इस प्रकार का परिवर्तन कराया गया कि नीम के पेड़ को बिना कोई नुकसान पहुंचाए शेड का निर्माण कर दिया गया आज शेड एवं पेड़ दोनों ठीक है। मंदिर परिसर में नीम, पीपल, बरगद, बेल जैसे वृक्ष को शुभ माना गया है। इन वृक्षों के साथ लोगों की धार्मिक भावनाएं भी जुड़ी होती है अमूमन ऐसे पेड़ मंदिर परिसर में देखे जा सकते हैं परंतु निर्माण में कई बार पेड़ काटने की आवश्यकता महसूस होती है परंतु जिस प्रकार से नीम के पेड़ को बिना कोई नुकसान पहुंचाए निर्माण किया गया यह निश्चित रूप से बहुत ही सराहनीय है।

मां महामाया मंदिर के पुजारी जितेंद्र पांडे ने बताया कि मंदिर में पूजा करने आने वाले भक्तों की आस्था इस पेड़ के साथ जुड़ी हुई है जो भी श्रद्धालु मंदिर आते हैं इस वृक्ष की परिक्रमा कर यहां पूजा अर्चना करते हैं लोगों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए हुए तात्कालिक नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल के द्वारा शेड निर्माण के समय शेड के संरचना में ही परिवर्तन कर नीम के पेड़ को बचा लिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने बताया कि जब मैं पहली बार नगर पंचायत अध्यक्ष बना तो जन भावनाओं के अनुरूप नगर के विभिन्न मंदिरो में शेड निर्माण की आवश्यक महसूस हो रही थी। मां महामाया मंदिर में हम सबके सामने शेड निर्माण के लिए विशाल नीम का वृक्ष को काटने की सबसे बड़ी समस्याएं थी। शेड निर्माण करने के लिए नीम का पेड़ काटना जरूरी प्रतीत हो रहा था, परंतु शेड की संरचना में परिवर्तन कर शेड का निर्माण कराया गया आज पेड़ एवं शेड दोनों पूर्णता ठीक और सुरक्षित है।

सरगुजा पुलिस द्वारा आयोजित सुविधा शिविर मे 327 से अधिक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व उनके परिवार हुए लाभान्वित

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के शासकीय कर्तव्य के दौरान अनिश्चित ड्यूटी होने के कारण पुलिस के जवान कई पारिवारिक जिम्मेदारियों को समय पर पूरा नहीं कर पाते है, जिससे परिवार के साथ साथ पुलिस के जवान भी प्रभावित होते है। पुलिस जवानों की पारिवारिक दायित्वों को संज्ञान मे लेकर सुविधा शिविर की पहल करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देशन मे पुलिस वेलफेयर से शासन की योजनाओं के अंतर्गत ड्रायविंग लाईसेंस, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनाये जाने की सुविधा का सुव्यवस्थित सकारात्मक आयोजन कराये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे आज दिनांक को रक्षित केन्द्र अम्बिकापुर स्थित परेड ग्राउंड मे सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। उपरोक्त सुविधा शिविर से सुबह से ही पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य भारी संख्या मे उपस्थित हो रहे थे, शिविर के दौरान कुल ३२७ से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवारो ने सुविधा शिविर अंतर्गत ड्रायविंग लाईसेंस, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया का लाभ उठाया, मौके पर परिवहन केंद्र की टीम द्वारा १८० व्यक्तियों को मौके पर समस्त कार्यवाही पूर्ण कर लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया, ३५ से अधिक व्यक्तियों के आधार कार्ड सम्बन्धी समस्याओ का मौके पर निराकरण किया गया, एवं नवीन आधार कार्ड हेतु भी पंजीयन करवाये गए, आयुष्मान योजना का लाभ प्रदान कराने के क्रम मे ११२ व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड चालू करने हेतु पंजीयन किया गया, पंजीयन पश्चात प्रक्रिया पूर्ण होने पर लाभार्थियों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं ड्राइविंग लाईसेन्स प्रदान किया जायगा, सुविधा शिविर मे जिला बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, एंटी करप्शन ब्यूरो, विशेष शाखा, नगर सेना, कार्यालयीन अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार लाभान्वित हुए है, ससरगुजा पुलिस द्वारा सुविधा शिविर मे अपनी सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया।

शिविर में अतरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, नगर पुलिस अधीक्षक रोहित शाह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, परिवहन केंद्र के कर्मचारीगण, आधार कार्ड सुविधा हेतु हिमांशु जायसवाल, आयुष्मान कार्ड सुविधा हेतु राहुल मण्डल, सुमन केरकेट्टा, आशीष कुमार वास्ते उपस्थित रहे।

एग्रीमेंट कर दूसरे को बेच दी जमीन, धोखाधड़ी मामले में एक गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। धोखाधड़ी के मामले मे थाना दरिमा पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।आरोपी द्वारा अपने स्वामित्व की जमीन कों पूर्व में प्रार्थी पक्ष कों रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करने पश्चात पुनः दूसरे पक्ष कों बिक्री कर दी गई।

पुलिस ने बताया कि ०५ जून को प्रार्थी अजय कुमार पाण्डेय निवासी केदारपुर अम्बिकापुर द्वारा थाना दरिमा आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि अनावेदक बलीराम जुलाई २०२३ में प्रार्थी कों ग्राम दरिमा स्थित अपने स्वामित्व के जमीन कों बेचने हेतु ०५ लाख रुपए में सौदा कर ५००००/- रुपए चेक से अपने बैंक खाता में प्राप्त कर दिनांक २८/०७/२३ को प्रार्थी से रजिस्टर्ड एग्रीमेन्ट किया और उपरोक्त भूमि का कब्जा भी प्रार्थी कों प्रदान कर दिया गया। कि दिनांक १२/०९/२३ को जिस जमीन को अनवेदक बलीराम प्रार्थी कों बिक्री करने के लिये एग्रीमेन्ट कर पैसा लिया था, बलीराम उस भूमि को छलपूर्वक धोखाधड़ी करते हुए बगैर प्रार्थी के पंजीबद्ध अनुबंध पत्र को निरस्त कराये दूसरे कों बिक्री कर दिया गया है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना दरिमा मे धारा ४२० भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, जो आरोपी घटना दिनांक से अपने सकूनत से लगातार फरार चल रहा था जिसका सरगर्मी से पता तलाश किया जा रहा तक, कि मुखबीर द्वारा सूचना मिलने पर आरोपी कों उसके सकूनत में दबिश देकर घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम *बलिराम आत्मज रामप्रसाद उम्र ३५ वर्ष साकिन खजरी थाना दरिमा* का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक भरतलाल साहू, सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह, आरक्षक जितेन्द्र लकड़ा, जगेश्वर बघेल, अरविन्द मिंज, अकलेश यादव, रंजीत गुप्ता, तेज राम भगत सक्रिय रहे।

छींद कांसा जशपुर की एक खास धरोहर, स्व सहायता समूह की 100 महिलाएं छिंद और कांसा से बना रही है सुन्दर और आकर्षक टोकरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है और उनको विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। जशपुर जिले के दूरस्थ अंचलों की महिलाओं के द्वारा छिंद कांसा से बनाई हुई टोकरी एवं अन्य उत्पाद काफी टिकाऊ एवं मनमोहक हैं। यह मूलतः जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखण्ड की स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा बनाया जा रहा है और अच्छी आमदनी प्राप्त की जा रही है। चूंकि यह अभ्यास लगभग 30 साल पुराना है परंतु इसमे उद्यमिता की छाप राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के प्रयास से संभव हो सका है। वर्तमान मे लगभग 100 महिलाएं इस उद्योग में जुड़ी हैं और सतत रूप से उत्पादन एवं विक्रय कार्य में लगी हुई है। आकर्षक एवं सुन्दर छिंद कांसा की टोकरी होने की वजह से जिले में और राज्य के कोने-कोने से इसकी सतत मांग बनी रहती है। जशपुर जिला उत्पादों की विशेष ब्रांड जशप्योर के बनने के पश्चात भारत के अन्य राज्यों से भी लगातार मांग बढ़ रही है, जिससे इस उद्योग में जुड़ी महिलयों में विशेष उत्साह नजर आ रहा है। छिंदकासा कार्य कांसाबेल विकासखण्ड के कोटानपानी ग्राम पंचायत के अधिकतर घरों की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है कोटानपानी ग्राम पंचायत मूलतःआदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हैं। जशपुर के आदिवासी समुदाय मे विवाह, देवता पूजन, छठ पूजा आदि में छिंद कांसा का विशेष महत्व है। छिंद और कांसा घास से निर्मित टोकरी एवं उत्पाद प्राकृतिक और सांस्कृतिक प्रतीक होते हैं। वैसे छिंद कांसा टोकरी बनाने का प्रचलन लगभग 30 वर्ष पुराना है। इसके पूर्व सदियों से छिंद की चटाई बनाने का प्रचलन भारत के विभिन्न राज्यों मे व्यापत रहा है। कोटानपानी की दीदियों से बात करने पर उन्होंने बताया की मन्मति नाम की एक किशोरी बालिका आज से 25 वर्ष पूर्व समीप के विकासखंड फरसाबहार के ग्राम पगुराबहार में अपने नानी के घर गई थी और वहाँ अपनी ननिहाल की महिलाओं से टोकरी बनाने का कार्य सीखा। चूंकि यह एक नया प्रयोग था पूर्व मे केवल चटाई बनाई जाती रही है। इस कार्य मे विशेषता यह थी की टोकरी छिंद और कांसा घाँस से मिश्रित करते हुए टोकरी का ढांचा तैयार किया जाना था। छिंद को कांसा घास के साथ मिश्रित कर गोल आकार में तैयार किया जाना आसान और रोचक था। मन्मति अपने ननिहाल से लौटकर कोटानपानी में यह कार्य शुरू किया। पड़ोस की महिलाओं ने सुन्दर टोकरी निर्माण करते हुए मन्मति को देखा और कुछ महिलाएं भी इसे बनाने की इच्छा प्रकट कर सीखने लगी। कुछ महिलायें टोकरी बनाकर स्थानीय बाजार मे बेचना शुरू कर दी जिससे उन्हे कुछ लाभ प्राप्त हुए और ये सिलसिला लगभग 10 वर्षों तक चलता रहा। 2017 मे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका बिहान के स्व सहायता समूह का गठन शुरू हो गया।

आजीविका गतिविधि सर्वेक्षण मे छिंद कांसा टोकरी निर्माण को ग्रहण किया गया और प्रशिक्षण, स्थानीय स्तर पर समूह को ऋण एवं बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रयास शुरू किए गए। प्रारंभ मे कुल तीन समूह, हरियाली, ज्ञान गंगा और गीता समूह यह कार्य करने लगे। 2019 में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड का आगमन हुआ और उनकी तरफ से 12 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

पागल कुत्ते के काटने के बाद जड़ी बूटी से चल रहा था उपचार, हालत बिगड़ी तो लाए अस्पताल, युवक की मौत

अंबिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। आवारा कुत्ते आए दिन किसी न किसी पर हमला कर उनको निशाना बनाते हैं। खासकर छोटे बच्चों को अकेला देख कुत्ते उन पर टूट पड़ते हैं। ऐसे ही एक मामले में ढाई महीने पूर्व बाजार से लौटने के दौरान राजपुर थाना क्षेत्र निवासी एक युवक को कुत्ते ने काट लिया था। युवक का जड़ी-बूटी से इलाज किया जा रहा था। २ दिन पूर्व उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान रविवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसागुड़ी निवासी अविनाश लकड़ा २७ वर्ष १४ मार्च को बाजार गया था। वहां से शाम को घर लौटने के दौरान एक आवारा कुत्ते से उसे काट लिया। इससे वह घायल हो गया था। कुत्ते ने उसी दिन गांव के २-३ लोगों को और काटा था। घर पर ही जड़ी-बूटी से उसका इलाज किया जा रहा था। ढाई महीने तक तो कुत्ते के काटने का उसे फर्क नहीं पड़ा, लेकिन २ दिन पूर्व उसकी तबीयत अचानक बिगड़? लगी। यह देख परिजनों द्वारा उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था। इसी बीच रविवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि युवक के शरीर में रेबीज फैल गया था, इससे उसकी मौत हो गई। यदि कुत्ते के काटने के तत्काल बाद उसने सही इलाज कराया होता तो उसकी जान बच सकती थी।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। दुष्कर्म के आरोपी को थाना दरिमा पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया दिनांक ०४ जून को थाना दरिमा आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि लहपटरा थाना लखनपुर निवासी करण राजवाड़े प्रार्थिया की नाबालिग लड़की कों बहला फुसला कर भगा ले जाकर शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, मामले मे प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना दरिमा मे आरोपी के विरुद्ध धारा १३७(२), ६४(२) (एम) बी. एन. एस. एवं पोक्सो एक्ट की धारा ४, ६ का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम करण राजवाड़े आत्मज मोती रात राजवाड़े उम्र २१ वर्ष निवासी लहपटरा थाना लखनपुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक भरतलाल साहू, सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह, महिला आरक्षक सुनीति राजवाड़े, आरक्षक अकलेश यादव, जागेश्वर बघेल, जितेंद्र लकड़ा, अरविन्द मिंज, तेज राम भगत, रंजीत गुप्ता सक्रिय रहे।

हर साल आठ हजार बहुएं हो रहीं दहेज मृत्यु की शिकार : शताब्दी

रायपुर। बेटी के प्रेम विवाह को लेकर सबसे पहले माता- पिता को अपना नजरिया बदलना होगा। यदि ससुराल में बेटी से कुछ गलत हो रहा है, तो तुरंत उसका प्रतिकार करें। बेटी की गृहस्थी बचाने की जगह उसके आत्मसम्मान और जिंदगी को बचाएं। काउंसलर डॉ. वर्षा वरवंडकर ने महाराष्ट्र मंडल में वैष्णवी आत्महत्या प्रकरण को लेकर हुई परिचर्चा में इस आशय के विचार व्यक्त किए। डॉ. वरवंडकर ने कहा कि पुणे का वैष्णवी आत्महत्या प्रकरण प्रेम विवाह का है। लड़की निर्णय लेने में समर्थ थी, लेकिन लोग क्या कहेंगे की उलझन में वो रिवर्स डिसिजन नहीं ले पाई। जिंदगी में हमेशा यू-टर्न रहता है। निर्णय लेने की कला सीखनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रेमी से पति बनने का सफर अलग रहता है। जब आपका जोड़ीदार आपकी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर रहा है, तो चर्चा कीजिए। समझौता व्यवहार में होता है लेकिन जब प्रताड़ना हो रही है, तो उसका प्रतिकार कीजिए। लड़कियों को जागरूक होना होगा। उसे कानून की जानकारी भी होनी चाहिए। लड़कियों को भी स्वयं शादी में फालतू खर्चे और दहेज के लिए खुद मना करना होगा। परिचर्चा का संचालन कर रहीं महाराष्ट्र मंडल की परिवार परामर्श समिति की प्रभारी शताब्दी पांडेय ने कहा कि दहेज की मांग आज भी समाज में किसी न किसी रूप में व्याप्त है। इसका संबंध मनुष्य की लालची प्रवृत्ति से है। आंकड़े बताते हैं कि आज भी प्रतिवर्ष आठ हजार बहुएं दहेज मृत्यु की शिकार होती हैं। माता-पिता की ओर से ससुराल पक्ष की मांगे पूरी करना भी अपने आप में अपराध है।

एडवोकेट मनीषा भंडारकर के अनुसार आजकल ज्यादातर युवा प्रेम विवाह कर रहे हैं। बिना सोचे समझे किए गए विवाह में आने वाली परेशानियों को सहते रहते हैं। गुस्सा किसी भी व्यक्ति का क्षणिक होता है। यदि पीड़िताएं किसी भी प्रकार की सहायता चाहती हैं, तो उन्हें महाराष्ट्र मंडल की परिवार परामर्श समिति की ओर से निःशुल्क कानूनी सहायता दी जाएगी। परिवार परामर्श समिति की डॉ. मंजरी बक्षी के मुताबिक जन जागरूकता के कार्यक्रम अधिक से अधिक आयोजित किए जाएं। युवा पीढ़ी प्रेम विवाह के मामले में मन के साथ बुद्धि का प्रयोग करें। महाराष्ट्र मंडल की उपाध्यक्ष गीता दलाल ने कहा कि एक जोड़ीदार ऐसा हो जो आपका समर्थन करें। आपकी भावना को समझे और आपके साथ एक स्वस्थ सन्मानजनक संबंध रखे। समाजसेवी व परिवार परामर्श समिति की सदस्य शुभांगी रुद्रजवार कहती हैं कि किसी भी पत्नी का सच्चा सुख सिर्फ बंगला, गाड़ी, गहने, पैसे से नहीं, प्यार, इज्जत देने वाले समर्पित और निर्व्यसनी पति से होता है। शादी कर दी, मतलब जिम्मेदारी से मुक्त हो गए, ऐसा नहीं है। परामर्श समिति के ओपी कटारिया ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए काउंसलिंग बहुत आवश्यक हो गई है। कार्यक्रम संचालन शुभांगी आप्टे ने कहा कि दहेज को लेकर आए दिन हम घटनाएं सुनते है। उसके लिए कहीं न कहीं हम दोषी हैं। कई बार दोनों की आर्थिक परिस्थिति में बहुत अंतर होता है, तो लड़की को तकलीफ न हो, ये सोचकर माता-पिता धन और वस्तुएं देते हैं। जाल में फंसाने हथकंडे अपनाते हैं।एडवोकेट प्रियंका डोंगरे ने कहा कि आज कल के कुछ लड़के शादी को एक बिजनेस की तरह लेते हैं। इसलिए जब भी वह शादी करते हैं या दोस्ती करते हैं, शादी के उद्देश्य से पहले लड़की का ब्रेकग्राउंड उसकी सोच को पकड़ लेते हैं। यदि उनको लगता है कि वह उनके लिए परफेक्ट है तो वह उसको अपने जाल में फंसाने के लिए सब तरीके के हथकंडे अपनाते हैं।

आगामी वर्षाकाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी

कोरबा 07 जून (ए)। कोरबा ने जिले के सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया है कि आगामी वर्षाकाल 2025 के दौरान आवश्यकता होने पर हसदेव बरॉज दरीं से नदी में पानी प्रवाहित करने हेतु जलद्वार को अकस्मात कभी भी खोला जा सकता है। इस हेतु सर्व संबंधित उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित अपने चल-अचल सम्पत्ति को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर लें। इसी प्रकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थापित खनिज, खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेना सुनिश्चित करें।

सड़क बनाने की आड़ में सैकड़ो पेड़ पौधों की कटाई पेज 09

विदेश मंत्री यूरोप दौरे पर रवानाः फ्रांस समेत कई देशों में जाएंगे एस जयशंकर

नईदिल्ली ,08 जून (ए) विदेश मंत्री एस जयशंकर 8 से 14 जून तक यूरोप दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे फ्रांस, यूरोपीय संघ और बेल्जियम के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे। यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देना, वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग बढ़ाना और आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट करना है।

य दौरा भारत के प्रमुख साझेदारों के साथ रणनीतिक सहयोग मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

जयशंकर सबसे पहले फ्रांस जाएंगे। फ्रांस को भारत का करीबी साझेदार और ऑल-वेदर फ्रेंड माना जाता है।

जयशंकर फ्रांस में पेरिस और मार्सिले का दौरा करेंगे। वहां वे अपने समकक्ष यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरोट के साथ बातचीत करेंगे।

वे मार्सेलि में मेडिटेरेनियन रायसीना डायलॉग के पहले संस्करण में हिस?सा लेंगे।

वे यूरोपीय आयोग और यूरोपीय संसद के वरिष्ठ नेताओं से भी मिलेंगे और थिंक टैंक और मीडिया से बातचीत करेंगे।

फ्रांस के बाद विदेश मंत्री का अगला पड़ाव बुसेल्स होगा। वहां वे यूरोपीय संघ की उच्च प्रतिनिधि काजा कलास के साथ उच्च स्तरीय रणनीतिक वार्ता करेंगे।

इसके बाद वे बेल्जियम जाएंगे। वहां वे उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मैथियस प्रेवोट से द्विपक्षीय चर्चा करेंगे और अन्य शीर्ष नेताओं

से भी मुलाकात करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, दवा, हीरा, हरित ऊर्जा और तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और फ्रांस ने रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और हमारे संबंध गहरे विश्वास और प्रतिबद्धता पर आधारित हैं।

मंत्रालय ने कहा, भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है। बेल्जियम के साथ भारत के संबंधों में न केवल आर्थिक साझेदारी बल्कि जन-सामान्य के स्तर पर भी गहराई है। मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा भारत और इन तीनों साझेदारों के संबंधों को और गहरा बनाएगी।

ये दौरा ऐसे वक्त हो रहा है, जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए विदेशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा है। विदेश मंत्री भी यात्रा के दौरान पाकिस्तान की पोल खोल सकते हैं।

वहीं, पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारत के राफेल विमानों को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। भारत ने राफेल विमान फ्रांस से लिए हैं। ऐसे में इसे लेकर भी कुछ बातचीत हो सकती है। पाकिस्तान का दावा है कि भारत के साथ संघर्ष के दौरान उसने राफेल मार गिराए हैं। सीडीएस अनिल चौहान ने इसकी पुष्टि की है, लेकिन अभी इनकी संख्या सामने नहीं आई है। इसके बाद चीन समर्थित मीडिया रिपोर्ट्स में राफेल की गुणवत्ता और भारत-फ्रांस संबंधों पर कई टिप्पणियां की जा रही हैं। फ्रांस में भी इस बारे में सवाल उठाए जा रहे हैं। इस नजरिए से विदेश मंत्री की यात्रा काफी अहम है।

एहतियातन हिरासत राज्य के हाथ में असाधारण शक्ति, इसका संयम से किया जाए प्रयोगः सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली ,08 जून (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एहतियातन हिरासत राज्य को दी गई एक असाधारण शक्ति है, जिसका प्रयोग संयम से किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इसी के साथ जिलाधिकारी द्वारा एक साहूकार को हिरासत में लेने के आदेश को खारिज कर दिया, जो चार मामलों में जमानत मिलने के बाद कथित तौर पर फिर से अवैध गतिविधियों में लिप्त था।

सुप्रीम कोर्ट के जज संजय करोल और जज मनमोहन की पीठ ने हिरासत में लेने वाले प्राधिकारी को इस दलील पर सवाल उठाया कि यह आदेश इसलिए पारित किया गया क्योंकि हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने इन मामलों में जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया था। पीठ ने कहा कि इसके बजाय प्राधिकारी को जमानत रद्द करने के लिए सक्षम न्यायालय में याचिका दायर करनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनाए गए आदेश में कहा, 'इसलिए, 20 जून, 2024 के हिरासत के आदेश और एणाकुलम स्थित केरल हाई कोर्ट द्वारा पारित चार सितंबर, 2024 के विवादित फैसले को रद्द किया जाता है। इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अपील मंजूर की जाती है। पीठ ने रेखांकित किया कि एहतियातन हिरासत की शक्ति को संविधान में अनुच्छेद 22(3)(बी) के तहत मान्यता प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'एहतियातन हिरासत का प्रावधान राज्य के हाथों में एक असाधारण शक्ति है, जिसका संयम से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह प्रावधान किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को भविष्य में किसी अपराध के किए जाने की आशंका के आधार पर सीमित करता है, और इसलिए इसका उपयोग सामान्य परिस्थितियों में नहीं किया जाना चाहिए।

पीठ ने हिरासत में लेने का आदेश जारी करने वाले प्राधिकारी की इस दलील को खारिज कर दिया कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति राजेश, जो 'रितिका फाइनेंसइ नामक एक निजी वित्तीय कंपनी चलाता था, उन मामलों में उस पर लगाई गई जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहा था, जिन पर हिरासत का आदेश पारित करने के लिए विचार किया गया था। कोर्ट ने कहा कि प्रासंगिक रूप से चारों मामलों में से किसी में भी प्रतिवादी द्वारा ऐसी शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कोई आवेदन दायर नहीं किया गया है। पीठ ने कहा कि इसके अलावा, केरल हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ उनकी पत्नी द्वारा दायर मामले की सुनवाई के दौरान भी इनका उल्लेख नहीं किया गया है, जिसमें पलक्कड़ के जिलाधिकारी ने एहतियातन हिरासत के आदेश की पुष्टि की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'कानून की उपरोक्त व्याख्याओं को ध्यान में रखते हुए, हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि हिरासत के आदेश को बरकरार नहीं रखा जा सकता। हिरासत में लेने वाले प्राधिकारी द्वारा आदेश में बताई गई परिस्थितियां राज्य के लिए जमानत रद्द करने के लिए सक्षम न्यायालयों से संपर्क करने के लिए पर्याप्त आधार हो सकती हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि इसके लिए उसकी एहतियातन हिरासत को उचित ठहराया जाए।

19 ब्रह्मोस और क्रिस्टल मेज मिसाइलों ने उड़ाए पाकिस्तान के होश

नई दिल्ली,08 जून (ए)। पहलगाम में पर्यटकों पर हमले का बदला लेने के लिए भारतीय आर्म्ड फोर्स ने जिस ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया, उसपर नए खुलासे हुए हैं। भारतीय सेना ने लश्कर और जैश के मुख्यालय पर अलग-अलग मिसाइलों से हमला किया था। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ चार दिनों तक चली झड़प में किन हथियारों का इस्तेमाल किया गया और कितना नुकसान हुआ इसकी भी जानकारी सामने आई है। भारत ने कुल 19 ब्रह्मोस मिसाइलों और क्रिस्टल मेज मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े योजनाकारों और सैन्य प्रमुखों ने ऑपरेशन सिंदूर के एक महीने पूरे होने का जश्न भी मनाया है। इस दौरान कि रक्षा मंत्रालय ने तीनों सेनाओं को हथियारों और मिसाइलों की नई खेप खरीदने की इजाजत दे दी है। इसमें लम्बी दूरी की लोइटरिंग गोला-बारूद, आर्टिलरी शेल, कामिकाजे ड्रोन और बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलें शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक सेना की कार्रवाई और सैटेलाइट तस्वीरों से इस बात की पुष्टि हुई है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के चार लड़ाकू विमानों (चीन निर्मित) और दो बड़े विमानों (संभवतः एक सी-130जे और एक साब 2000 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम) को मार गिराया। सूत्रों ने यह भी बताया कि कि सरगोधा, रफीकी, जैकबाबाद और नूर खान (चकलाला, रावलपिंडी) सहित 11 एयरबेसों पर भारतीय वायुसेना के मिसाइल हमले के दौरान दो एफ-16 लड़ाकू विमान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत के एफिल लड़ाकू विमानों, एस-400 मिसाइल सिस्टम और एम777 हॉवित्जर ने चार दिनों के संघर्ष के दौरान खुद को बखूबी साबित किया। रिपोर्ट के मुताबिक इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि 7 मई को भारत का पहला आतंकवाद विरोधी हमला सफल रहा। मरकज-ए-तैयबा (मुरीदके में लश्कर का मुख्यालय) पर चार से पांच क्रिस्टल मेज मिसाइलों से हमला किया गया। मरकज-ए-सुभान अल्लाह में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने पर राफेल लड़ाकू विमानों से दागी गई छह एससीएएलपी मिसाइलों ने हमला किया गया और बंकर-बस्टिंग तकनीकों का उपयोग करके पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। भारतीय सेना के एम777 हॉवित्जर तोपों द्वारा यूएस निर्मित एक्सकैलिबर गोला-बारूद का इस्तेमाल करके पाकिस्तानी सेना दूसरी पंक्ति की रक्षा पंक्तियों को नष्ट कर दिया। 7 मई की सुबह ऑपरेशन शुरू होने से लेकर 10 मई की शाम को युद्ध विराम के बीच भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी शिविरों पर बमबारी की और कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय वायुसेना ने 13 पाकिस्तानी एयरबेस और सैन्य प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया।

भारत ने 10 मई को जवाबी हमले के दौरान एक चीनी एलवाई-80 फायर रडार, दो एएन/टीपीक्यू-43 यूएस निर्मित स्वचालित ट्रैकिंग रडार, और चकलाला में चीनी मुख्यालय-9 रडार को एक फायर यूनिट को नष्ट कर दिया।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. अमित जैन
MS, MCH (Neuro Surgery)
मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ
+ सिर की चोट (हेड इंजरी), स्पाईनलाइटिस
+ ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन हेमरेज, चेहरे पर तिल दर्द, लकवा, मिर्गी
+ बच्चों के सिर का बड़ा होना/पानी भरना।

डॉ. रितेश रंजन
MBBS, MS, MCH (Mumbai)
Neonatal & Pediatric Surgeon
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
+ पीडियाट्रिक सर्जरी, नवजात शिशु की सर्जरी।
+ बच्चों के पेट एवं छाती के ऑपरेशन, हर्पोण डिजीज।
+ गोटी, मल्हाश इत्यादि के ऑपरेशन।

डॉ. गौरी शंकर सिंह
MBBS (AFMC) MD (Psychiatry) BHU
मानसिक रोग के लक्षण
+ चिंता विकार - घबराहट, बेचैनी, टेंशन, अनिद्रा।
+ तनाव सरदर्द - सर में भारीपन माइग्रेन, नकारात्मक विचार।
+ मिर्गी - झटके के साथ बेहोशी, शरीर में ऐंठान।

डॉ. करण सराफ
MBBS, MD (Medicine) DM (Nephrology) Gold Medalist Consultant Nephrologist & Treatment Physician
किडनी रोग विशेषज्ञ
● इन्फेक्शन और जहर, शुगर, बी.पी. व अन्य।
● किसी भी वजह से खराब किडनी का इलाज।
● चेहरे व पूरे शरीर में सूजन, डाइबिटिक किडनी।
● पेशाब का रंग लाल होना।

डॉ. स्नेहिल गोस्वामी
DNB Cardiology
हृदय रोग विषेशज्ञ
+ चिंता विकार - घबराहट, बेचैनी, टेंशन, अनिद्रा।
+ सांस की तकलीफ, अत्यधिक थकान।
+ छाती में जकड़न,चक्कर आना।

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर
समुजा संचार का सर्वश्रेष्ठ एवं एकमात्र
1.5 TESLA MRI
MULTISLICE CT SCAN की सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध

15 जून 2025, प्रत्येक माह के तीसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के विशिष्ट अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

आधुनिक मशीनो एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई
सीटी स्कैन
सोनोग्राफी
टी.एन.टी.
ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
ई.ई.जी, ई.सी.जी.
टीकाकरण की सुविधा
प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

अपना बाजार
विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ½MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विषेशज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
● जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
● सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा
आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
● 24X7 आपातकालीन सुविधा
● क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
● एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
● निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
● 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us
+91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेष
डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हेतु
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 9826183

पुरानी के बदले लाई गई नई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति से हुआ अभूतपूर्व सुधार : अनुप्रिया पटेल

छत्तीसगढ़ 8 जून (ए)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अनुप्रिया पटेल कहा कि पिछले 11 साल में केंद्र सरकार की ओर से स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। सरकार ने 20 साल पुरानी नीति को बदल कर नई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लाने का काम किया है, जिसके तहत आज हम हर तरीके के हेल्थ केयर पर ध्यान दे रहे हैं। अनुप्रिया पटेल रविवार को उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के सर्किट हाउस में पहुँची थीं। इस मौके पर बड़ी संख्या में अपना दल के कार्यकर्ता और विधायक मौजूद रहे। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि जहां पूरे देश में पहले 7 एम्स हुआ करते थे, आज 23 एम्स स्थापित हो चुके हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि गांव-गांव तक स्वास्थ्य की सुविधा पहुंचाने के लिए पूरे देश में डेढ़ लाख से अधिक आयुष्मान केंद्र स्थापित किए गए हैं। 12 तरह की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आम नागरिक ले रहे हैं।

विदेश मंत्री यूरोप दौरे पर रवानाः फ्रांस समेत कई देशों में जाएंगे एस जयशंकर...पेज 11

भाजपा के संकल्प से सिद्धी तक अभियान को लेकर कार्यशाला

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार) । भाजपा कार्यालय अटल कुंज में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन गरीब कल्याण के ११ वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में संकल्प से सिद्धी तक कार्यक्रम आयोजन को लेकर भाजपा सूरजपुर ग्रामीण व शहर मण्डल के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी व पूर्व पापुनि अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, महामंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष थलेश्वर साहू व भाजपा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष विजय नारायण राजवाड़े उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी श्री अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में जनता की भागीदारी को उजागर करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत जनसभा, संवाद, प्रदर्शनी के साथ जन जागरण गतिविधियां आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के ११ वर्षों की विकास यात्रा, आत्मनिर्भर भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, किसान सम्मान निधि जैसे प्रमुख योजनाओं को प्रमुखता के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने बताया कि किस तरह से मोदी सरकार की योजनाओं ने लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाया है। उन्होंने कहा कि उज्जवला गैस कनेक्शन, पीएम आवास, जनधन खाते, आयुष्मान भारत जैसे कई योजनाएं आम नागरिकों की जिंदगी में उम्मीद की किरण बनकर आयी हैं। इस दौरान राजेश महलवाला ने कहा कि २०१४ में पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था और तब से लेकर अब

भाजपा लोगों तक पहुंचाएगी मोदी सरकार के ११ वर्षों की उपलब्धियां

तक देश में कई ऐतिहासिक परिवर्तन लाने का कार्य किया गया। कार्यशाला को थलेश्वर साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि अभियान के माध्यम से पीएम मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में उठाए गए कदमों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने की पीएम मोदी के नेतृत्व में अंतराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की भूमिका अहम बनी हुई है। भाजपा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष विजय नारायण राजवाड़े,ने बताया कि आज ९ जून से संकल्प से सिद्धी तक अभियान की शुरूआत हो रही है। जिसमें पीएम मोदी की ११ साल की विकास यात्रा जनता तक पहुंचायी जाएगी। अभियान के माध्यम से काग्रिस सरकार के ६० वर्षों की विफलताओं और भाजपा सरकार की सफलताओं की तुलना करते हुए घर-घर जागरूकता फैलाई जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार की विकास यात्रा, नीतियों और उपलब्धियों को हर नागरिक तक पहुंचाना है, ताकि जनता के बीच सीधे संवाद स्थापित हो और ११ वर्ष की प्रगति का सच सामने आ सके। कार्यशाला का संचालन राजू देवांगन व आभार प्रदर्शन नीरज जिंदिया ने किया। इस दौरान मुकेश गर्ग, तिलक राजवाड़े, अरूण राजवाड़े, डॉ.चतुर्वेदी, सुरेन्द्र राजवाड़े, संतोष सोनी, कमलसाय यादव, अजय कुशवाहा, कमलेश सिंह, महेन्द्र राजवाड़े, शंकर राजवाड़े, संध्या सिंह, हीरामनी सिंह, सरस्वती सिंह, लूनावती राजवाड़े, बिंदिया निशाद, प्रमिला चक्रधारी, देवंती साहू, भोला रवि, राजपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा शहर व ग्रामीण मण्डल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यात्रा से पूर्व ट्रेनों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए एनटीईएस का करें उपयोग

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार) ।
नेशनल ट्रेन इन्क्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई एक ऑनलाइन सेवा है, जिसके माध्यम से यात्री देशभर में चल रही ट्रेनों की वास्तविक स्थिति जैसे आगमन, प्रस्थान, देरी, रद्दीकरण, मार्ग परिवर्तन आदि की जानकारी रियल टाइम में प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा वेबसाइट के साथ-साथ मोबाइल ऐप के रूप में भी उपलब्ध है। एनटीईएस ऐप गूगल प्ले स्टोर पर निःशुल्क डाउनलोड के लिए उपलब्ध है और यह यात्रियों के लिए एक भरोसेमंद सहायक बन गया है। वर्तमान में दक्षिण पूर्व रेलवे सहित देश के कई रेलवे जोन में आवश्यक रखरखाव एवं अधोसंरचना विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिसके कारण कुछ ट्रेनें अपने प्रारंभिक स्टेशनों से ही विलंब से चल रही हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपने नेटवर्क में ट्रेनों के संचालन को यथासंभव समयबद्ध बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। जैसे ही ट्रेनें कटनी, नागपुर, झारसुगुड़ा, लखोली जैसे प्रमुख रिसीविंग स्टेशनों पर इंटर होती हैं, उनका परिचालन बेहतर तरीके से संचालित करने का प्रयास किया जाता है।
यात्रीगण अपनी यात्रा के लिए स्टेशन आने से पहले एनटीईएस ऐप या वेबसाइट के माध्यम से अपनी ट्रेन की वास्तविक स्थिति अवश्य जांच लें, इससे असुविधा एवं अनावश्यक रूप से प्लेटफॉर्म पर देर तक प्रतीक्षा करने से बचा जा सकेगा।
हालांकि रेलवे द्वारा यात्रियों को ट्रेनों की स्थिति की सूचना उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भेजी जाती है, साथ ही स्टेशनों पर पैसेंजर एनाउंस सिस्टम के माध्यम से भी नियमित उद्घोषणा भी की जाती है।
एनटीईएस का उपयोग यात्रियों की यात्रा को और अधिक सुविधाजनक, समयबद्ध और सटीक बनाता है।

मैन्युफैक्चरिंग से लेकर डिफेंस में आत्मनिर्भर बना रहा देश : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, 8 जून(ए)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में देश तेजी से मैन्युफैक्चरिंग से लेकर डिफेंस के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।
इकोनॉमिक्स टाइम्स में लिखे लेख में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद भारत के डिफेंस सेक्टर का तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है और डिफेंस निर्यात में तेजी आई है। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ है, बल्कि पीएम मोदी के द्वारा शुरू किए गए आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत सुधारों के कारण हुआ है। इनमें रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया, रक्षा उत्पादन एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति और कुछ क्षेत्रों में 100 प्रतिशत एफडीआई जैसे बदलाव शामिल हैं, जिसने घरेलू कंपनियों को फलने-फूलने में मदद की है।
पुरी ने बताया कि मोदी सरकार के विजन में मैन्युफैक्चरिंग हमेशा केंद्र में रही है और देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत सरकार ने देशों में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए इंसेंटिव्स दे रही है।
टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम में 27,000 करोड़ रुपए की लागत से सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग प्लांट बना रही है, जिसके 2025 के मध्य तक चालू होने और लगभग 27,000 नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है। वहीं, एचसीएल और फॉक्सकॉन के बीच ज्वाइंट वेंचर से 3,706 करोड़ रुपए की लागत से उत्तर प्रदेश के जेवर में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित की जा रही है, जो डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स पर केंद्रित होगी और इसका उत्पादन 2027 में शुरू होगा।
इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय के विजन के तहत जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं, जिसकी मदद से 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकालने में सफलता मिली है।
पुरी ने आगे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत करीब 11 करोड़ किसानों को 3.68 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा वितरित किए जा चुके हैं। वहीं, लखपति दीदी पहल ने एक करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को एक लाख रुपए से अधिक की वार्षिक आय प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है।
वहीं, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) का विस्तार किया गया है, जिससे 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को चाहे उनकी आय कुछ भी हो प्रति वर्ष 5 लाख रुपए का निःशुल्क हेल्थ कवरेज प्रदान किया जा सके। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

नग्न तस्वीरों से ब्लैकमेल कर रही थी महिला, डॉक्टर ने गला घोंटकर की हत्या

चेन्नई,08 जून (ए)। चेन्नई में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, यहां एक डॉक्टर ने उस महिला की हत्या कर दी, जो उसे नग्न तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल कर रही थी. पुलिस ने इस मामले में डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है. डॉक्टर का नाम संतोष कुमार है और वह सलेम जिले के अस्थमपट्टी का रहने वाला है. महिला की पहचान नित्या (उम्र 26 वर्ष) के रूप में हुई है, जो चेन्नई के सत्तुमा नगर, तिरुवोट्टियूर में रहती थी. वह बेरोजगार थी लेकिन लोगों को झूठ बोलती थी कि वह एक आईटी कंपनी में काम करती है. इसी बहाने वह कई लोगों से पैसे ऐंठती थी. कुछ समय पहले नित्या की इंटरनेट पर डॉक्टर संतोष से दोस्ती हुई थी.
बातचीत के दौरान उसने डॉक्टर से कुछ निजी और अश्लील तस्वीरें हासिल कर ली थीं. इसके बाद उसने उन तस्वीरों को डॉक्टर के परिवार को भेजने की धमकी देकर उससे लगभग 8 लाख रुपये ऐंठ लिए. पुलिस के अनुसार, 6 जून 2025 को नित्या ने डॉक्टर को अपने घर बुलाया, जो कोडुगैयूर के टीचर्स कॉलोनी में था. वहां उसने डॉक्टर को शराब में नशीली दवा मिलाकर पिलाई और फिर तकिये से उसका गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद वह 25 सोने के जेवर लेकर फरार हो गया. शाम को जब नित्या का लिव-इन पार्टनर बालामुरुगन घर लौटा, तो उसने नित्या को बेहोश पाया. उसने तुरंत एंबुलेंस बुलाई, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे, इसलिए पहले पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला समझा. लेकिन जब पुलिस ने नित्या का मोबाइल फोन और कॉल रिकॉर्ड जांचे, तो पता चला कि उसकी आखिरी कॉल डॉक्टर संतोष को की गई थी. सीसीटीवी फुटेज में भी डॉक्टर को उसी दिन उसके घर जाते हुए देखा गया. पुलिस ने जब संतोष से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया.
बाद में पुलिस ने एक गवाह की मदद से डॉक्टर के पड़ोसी मुजुपुर पाशा के पास से एक जूट बैग में भरे हुए सोने के जेवर बरामद किए. हालांकि, पाशा का इस हत्या से कोई लेना-देना नहीं था, इसलिए उसे छोड़ दिया गया. नित्या के परिवार को उसकी असली गतिविधियों की जानकारी नहीं थी. शुरू में उन्होंने शक नित्या के लिव-इन पार्टनर पर किया था. लेकिन जांच से सारी सच्चाई सामने आ गई. अब पुलिस यह पता

अग्रवाल महासभा भवन लोकार्पण व अग्र गौरव सम्मान समारोह कल

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार) । संभागीय भवन लोकार्पण व अग्र गौरव सम्मान समारोह का आयोजन सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के तत्वाधान में १० जून को महासभा के नवनिर्मित संभागीय भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में होगा। वहीं समाज के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों व प्रतिभाओं का सम्मान भी अग्र गौरव सम्मान समारोह के रूप में किया जाएगा। इस संबंध में महासभा के अध्यक्ष श्रीनिवास केडिया, स्वागताध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुनील अग्रवाल ने बताया कि अंबिकापुर के गांधीनगर में संभागीय महासभा के बने नवनिर्मित संभागीय भवन का लोकार्पण १० जून को प्रातः ११:०० बजे किया जाएगा। जिसमें अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे वही अतिथिगण अतिथि के रूप में सीएसआईडीसी छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल शिरकत करेंगे। समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अशोक अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ अग्रवाल संगठन, कृष्ण कुमार अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ अग्रवाल सम्मेलन, अजय अग्रवाल पूर्व उपाध्यक्ष २० सूत्रीय क्रियान्वयन समिति छत्तीसगढ़ शासन, चरण सिंह अग्रवाल संस्थापक अध्यक्ष संभागीय अग्रवाल महासभा व रमन अग्रवाल अध्यक्ष नगर पालिका परिषद रामानुजगंज विशिष्ट तिथि होंगे। लोकार्पण समारोह के उपरांत अग्रवाल समाज के नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, नपा उपाध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य, पार्षद, उप सरपंच, पंच सहित समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान होगा। जिन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ स्कूली शिक्षा में प्रदेश में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।
उल्लेखनीय है कि उक्त समारोह को लेकर संभागीय अग्रवाल महासभा के द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है। महासभा के आयोजन में सरगुजा संभाग के सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़, जशपुर व बलरामपुर जिले के अग्रज बंधु आयोजन में शिरकत करेंगे। सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के माध्यम से संभाग में पहली बार अग्र गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। जिसको लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व प्रतिभावनों में जमकर उत्साह है। इस संबंध में महासभा के पदाधिकारी ने बताया कि संभाग के संभागीय भवन का भूतल का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है और आगामी वर्षों में प्रथम तल का भी निर्माण कार्य प्रस्तावित है। संभागीय पदाधिकारी ने समारोह में अग्रज बंधुओं से उपस्थित होने की अपील की है।

धूमधाम ने मना श्री परशुराम मंदिर का द्वितीय वार्षिकोत्सव

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार) ।
सूरजपुर रिंग रोड नमदगिरी स्थित श्री शिव परशुराम धाम का द्वितीय वार्षिक महोत्सव रविवार आठ मई को विविध आयोजनों के बीच धूमधाम के साथ संपन्न हुआ इसके लिए पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों और विद्युत झालरों से सजाया गया था कार्यक्रम की शुरूआत प्रतिदिवस होने वाले दैनिक पूजन आरती के तत्काल बाद शिव जी का अभिषेक,पूजन,हवन के साथ सुंदरकांड का सस्वर पाठ पश्चात आरती की गई द्वोपहर में प्रसाद वितरण के बाद संध्या में महिला मंडली के द्वारा भजन संध्या का आयोजन संपन्न हुआ।आयोजन में जिले भर से बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता दर्ज कराई। ज्ञात हो कि दो वर्ष पूर्व सूरजपुर रिंग रोड नमदगिरी में विप्र समाज के द्वारा श्री परशुराम धाम की स्थापना की गई थी इस वर्ष स्थापना का द्वितीय वर्षगांठ महोत्सव था।आयोजन में वरिष्ठ जनों के अगुआई में विप्र समाज सूरजपुर के जिला अध्यक्ष मनोज अवस्थी और उनकी पूरी टीम सक्रिय रह द्वितीय वर्षगांठ महोत्सव को सफल बनाया।

प्रियंका चतुर्वेदी ने यूरोपीय यात्रा को बताया सफल

मुंबई,08 जून (ए)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सदस्य थीं। छह देशों का दौरा कर लौटी हैं। वापस लौटने के बाद उन्होंने कहा कि आतंकवाद और पाकिस्तान के दोहरे रवैये को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से उठाया। छह यूरोपीय देशों की इस यात्रा में उन्होंने विभिन्न देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, विदेश मंत्रियों और संसदीय समितियों के अध्यक्षों के साथ मुलाकात की। इसके अलावा, उन्होंने प्रवासी भारतीयों, मीडिया और थिंक टैंक्स से भी संवाद किया। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा, मेरा मानना है कि यह एक बहुत ही सफल यात्रा रही है। यूरोपीय देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने हमसे मुलाकात की, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी हम मिले। बर्लिन में जर्मनी के विदेश मंत्री ने हमसे मुलाकात की, रोम में इटली के उप विदेश मंत्री से चर्चा हुई। कोपेनहेगन में उपसभापति और विदेश मामलों की समितियों के अध्यक्षों ने हमसे बात की। हमने उपराष्ट्रपति से भी मुलाकात की। छह देशों और छह स्थानों पर हमने व्यापक स्तर पर संवाद किया। इस दौरान हमने पाकिस्तान के दोहरे रवैये को उजागर किया और भारत की चिंताओं को जिम्मेदारीपूर्वक विश्व समुदाय के सामने रखा। हमने प्रवासी लोगों से भी बातचीत की। प्रवासी समुदाय भारत की ताकत है और उनकी चिंताओं को सुनना और उनके साथ संवाद करना भी इस यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा था। प्रियंका चतुर्वेदी ने 26/11 के मुंबई आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और राजनीति में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने आगे कहा कि मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि देश के प्रति मेरी जिम्मेदारी थी। मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमले के बाद मैंने राजनीति में प्रवेश किया। उस घटना ने मुझ पर काफी असर डाला था। मैं जानती हूं कि आतंकवाद के कारण कितने घर बर्बाद हो जाते हैं। आतंकवाद के कारण कई महिलाओं को अपने घर चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं के सामने आजीविका का संकट खड़ा करता है और देश की स्थिरता और व्यापार को नष्ट करने की कोशिश करता है।
यह मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं इन मुद्दों को वैश्विक मंच पर उठाऊं। हमने

क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को एलजी ने किया खारिज

0-अधिनियम के सही इस्तेमाल की अपील

नई दिल्ली,08 जून (ए)। दिल्ली के नंद नगरी स्थित आईटीआई के लाइब्रेरियन द्वारा छह साल पहले संस्थान के ही क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर के खिलाफ यौन उत्पीड़ ? के आरोपों को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने खारिज कर दिया है. उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़ ? की रोकथाम अधिनियम, 2013 के तहत कानूनी प्रावधान महिला कर्मचारियों की गरिमा और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक हैं, लेकिन इसका आह्वान वास्तविक आधार पर होना चाहिए.
दरअसल, 1 मई, 2019 को नंद नगरी आईटीआई के लाइब्रेरियन से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अपीलकर्ता बिना आधिकारिक काम के अक्सर लाइब्रेरी जाती थी, अनुचित टिप्पणियां करती थी, बिना सहमति के अपनी और अन्य महिला सहकर्मियों की तस्वीरें और वीडियो लेती थी और कथित तौर पर उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड करती थी. उन्होंने उन पर शारीरिक दुर्व्यवहार और धमकी देने का भी आरोप लगाया था. इस संबंध में की गई शिकायत को आंतरिक जांच समिति ने आईटीआई में कार्यरत एक क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर को बिना उनकी सहमति के टिप्पणियां पास करने, तस्वीरें लेने और उनके वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने के आरोप में दोषी ठहराया था.
बाद में अपील प्राधिकारी के रूप में उपराज्यपाल ने पाया कि कई अन्य महिला सहकर्मियों और आईटीआई के प्रिंसिपल की तरफ से उनके पक्ष में गवाही देने के बावजूद, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने पाया कि अपीलकर्ता के खिलाफ आरोप आंशिक रूप से साबित हुए थे और अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने जुमार्ना लगाया और उसे सेवा से हटा दिया था.
उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अब आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़ ? की रोकथाम अधिनियम, 2013 के तहत कानूनी प्रावधान महिला कर्मचारियों की गरिमा और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक हैं, लेकिन इसका आह्वान वास्तविक आधार पर होना चाहिए. एलजी ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़ ? की रोकथाम अधिनियम के तहत सुरक्षा उपायों का दुरुपयोग या गलत इस्तेमाल, न केवल गलत तरीके से लक्षित लोगों के करियर को प्रभावित करता है, बल्कि वास्तविक पीड़ितों और पुष्ट शिकायतों के लिए बनाए गए तंत्र की विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है.
मामला इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (आईसीसी) को भेजा गया, जिसने जुलाई 2020 में आरोपों को सही पाया और अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की. हालांकि, बाद में विभागीय जांच में, आईसीसी ने दिसंबर 2023 में निष्कर्ष निकाला कि आरोप आंशिक रूप से सिद्ध थे. इसमें उल्लेख किया गया है कि लंच ब्रेक के दौरान एक महिला स्टाफ सदस्य के अनुरोध पर लाइब्रेरी में एक छोटा वीडियो बनाया गया था और ऐसा कोई सबूत सामने नहीं आया कि इसे किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया गया था. तत्कालीन प्रिंसिपल और महिला स्टाफ सदस्यों सहित कई गवाहों ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्डिंग के समय कोई आपत्ति नहीं थी और माहौल अनौपचारिक और सौहार्दपूर्ण लग रहा था. अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया और सेवा से हटाने का कठोर दंड लगाया, जो कि सरकार के तहत भविष्य में रोजगार के लिए अयोग्यता नहीं होगी.
अपीलकर्ता ने इसे केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के सामने चुनौती दी और उसके निर्देश पर मार्च 2025 में उपराज्यपाल के सामने अपील की गई. अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि उसके पास 30 वर्षों से अधिक का बेदाग सेवा रिकॉर्ड है, जिसमें कोई पूर्व अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं है और आरोप निराधार है. यह पाया गया कि शिकायतकर्ता ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया और बाद में इसे एक सहकर्मी से प्राप्त किया और इसका उपयोग अपने स्वयं के मुद्दों को कवर करने के लिए किया.
अपीलकर्ता को दोषमुक्त करते हुए, उपराज्यपाल ने देखा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़ ? की रोकथाम अधिनियम के तहत सुरक्षा उपायों का दुरुपयोग या गलत इस्तेमाल न केवल गलत तरीके से लक्षित लोगों के करियर और प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है, बल्कि वास्तविक पीड़ितों के लिए तंत्र की विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है. उन्होंने कहा, जबकि इस अधिनियम का उद्देश्य सुरक्षित और सम्मानजनक कामकाजी माहौल सुनिश्चित करना है, लेकिन इसका गलत इस्तेमाल इसकी भावना और प्रभावशीलता को कमजोर करता है. इस तरह के आतंक्रमण से कार्यस्थलों में लैंगिक भेदभाव पैदा होने की संभावना है, जो अधिनियम के अंतर्निहित दर्शन के खिलाफ है.

बेंगलुरु भगदड़: कर्नाटक पुलिस ने दी थी भीड़ बढ़ने की चेतावनी, डीसीपी ने लिखा था पत्र

बेंगलुरु,08 जून (ए)। बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। कर्नाटक पुलिस के उपायुक्त (डीसीपी) की ओर से 4 जून को कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव जी सत्यवती सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों को भेजा गया एक पत्र सामने आया है, जिसमें उन्होंने पुलिस कर्मचारियों की कमी और कार्यक्रम में भीड़ बढ़ ? की चेतावनी दी थी।
हालांकि, उसके बाद भी कार्यक्रम आयोजित हुआ और बड़ा हादसा हो गया।
रिपोर्ट के अनुसार, विधानसभा सुरक्षा के डीसीपी एमएन करिबासवना गौड़ा ने भीड़ प्रबंधन और कर्मचारियों की कमी के बारे में गंभीर चिंता जताते हुए यह पत्र लिखा था।
गौड़ा ने पत्र में स्पष्ट लिखा था, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसक देशभर में मौजूद है। विधानसभा में कार्यक्रम आयोजित होने से लाखों प्रशंसकों के एकत्र होने की उम्मीद है। ऐसे में सुरक्षा कर्मियों की कमी को देखते हुए भीड़ का प्रबंधन करना एक बड़ी चुनौती होगी।
गौड़ा ने पत्र में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन सार्वजनिक प्रवेश पास निलंबित करने, सरकारी कर्मचारियों को उस दिन सचिवालय में अपने परिवार के सदस्यों को न लाने के लिए पाबंद करने और कार्यक्रम स्थल के पास लोगों की भीड़ कम करने के लिए दोपहर की छुट्टी घोषित करने का सुझाव दिया था।